A Daily News Magazine

इंदौर

बुधवार, 24 सितंबर, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 340, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

पंजाब: एक बच्चे की हत्या का दोष पूरे समुदाय पर क्यों?

जगरूप सिंह सेखो

पंजाब की अर्थव्यवस्था में प्रवासियों की अहम भूमिका है, फिर भी एक बच्चे की हत्या के बाद पूरे प्रवासी समुदाय को दोषी ठहराया जा रहा है। यह मानसिकता खतरनाक क्यों?

पंजाब के होशियारपुर में पाँच साल के एक मासूम बच्चे की हत्या, जो कथित तौर पर एक प्रवासी मज़दूर ने की, ने आज के पंजाब में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पंजाब पहले ही तरह-तरह की चुनौतियों से जूझ रहा है और इस घटना ने राज्यभर में ग़ुस्से की लहर पैदा कर दी। जगह-जगह पंचायतों ने प्रस्ताव पास किए कि अपने गाँवों में प्रवासियों के प्रवेश पर रोक लगाई जाए और उनके खिलाफ़ सख्त क़दम उठाए जाएँ। कई लोगों ने कहा कि अनियंत्रित प्रवास से पंजाब की आबादी की बनावट बदलने की साज़िश हो रही है और हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड की तरह यहाँ भी क़ानून बनाए जाएँ। कुछ राजनेताओं और व्यक्तियों ने भी प्रवासी आबादी पर कार्रवाई की माँग की। यहाँ तक कि कुछ लोग समूह बनाकर प्रवासियों के खिलाफ़ प्रचार करते, धमकियाँ देते और चेतावनी जारी करते नज़र आए।

इस घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने साफ़ कहा कि ऐसी माँगें न तो उचित हैं और न ही संविधान इसकी अनुमति देता है। उन्होंने चेतावनी दी कि प्रवासियों के खिलाफ़ ऐसे मुद्दे उठाने से उन लाखों पंजाबी परिवारों पर भी बुरा असर पड़ेगा जो देशभर के अलग-अलग राज्यों में बस चुके हैं।

दूसरी ओर पंचायतों द्वारा प्रवासियों के प्रवेश पर रोक लगाने जैसे प्रस्ताव पास करना पंचायती राज व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। क्या उन्हें मालूम नहीं कि इस तरह का प्रस्ताव संविधान और पंचायती राज अधिनियम 1993 का खुला उल्लंघन है? किसी भी ग्राम पंचायत को ऐसा अधिकार नहीं कि वह मौलिक अधिकारों का हनन करे।

असलियत यह है कि प्रवासी मज़दूर पंजाब की सामाजिक और आर्थिक ज़िंदगी का हिस्सा बन चुके हैं। खेती, उद्योग, निर्माण- हर जगह उनका योगदान है। हालाँकि प्रवास कोई नया चलन नहीं, पर आधुनिक पंजाब में प्रवासियों की संख्या हरित क्रांति (1960 के दशक के आखिरी सालों) से बढ़नी शुरू हुई। उस समय स्थानीय मज़दूर खेती छोड़कर गैर-कृषि क्षेत्रों में जाने लगे और बँधे मज़दूरी (सीरी प्रथा) का ढाँचा टूटा।

खेती में मशीनों के इस्तेमाल के बावजूद धान की रोपाई और गेहूँ की कटाई जैसे कामों में अचानक भारी मज़दूरी की ज़रूरत पड़ती थी। इसी वजह से बिहार, उत्तर प्रदेश और बंगाल से हज़ारों लोग पंजाब आए। पहले तो वे केवल खेती के काम के मौसम में आते और लौट जाते थे, लेकिन धीरे-धीरे फ़ैक्ट्रियों और शहरों में काम करने लगे और वहीं बस भी गए।

2011 की जनगणना बताती है कि पंजाब में 13 लाख से ज़्यादा प्रवासी मज़दूर थे। एक अनुमान के मुताबिक़ आज लगभग 18 लाख प्रवासी पंजाब की खेती, उद्योग, सेवाओं और अन्य क्षेत्रों में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

आतंकवाद के दौर (1980-90 के दशक) में भी प्रवास का सिलसिला नहीं टूटा, जबकि उस समय कई प्रवासी मज़दूर आतंकियों का शिकार हुए। अब हालात ये हैं कि बिहार-यूपी में रोज़गार बढ़ने से पंजाब आने वाले मज़दूरों की संख्या घटी है। किसान उन्हें रोकने के लिए तरह-तरह की सुविधाएँ और प्रोत्साहन देने लगे हैं, यहाँ तक कि स्टेशन पर जाकर उनका स्वागत करते हैं। दोआबा जैसे इलाक़ों में तो प्रवासी वे घर और ज़मीन भी सँभालते हैं जो परदेस गए पंजाबी परिवारों की हैं।

तो फिर सवाल यह है कि अगर एक प्रवासी ने जुर्म किया, तो पूरी प्रवासी आबादी को क्यों दोष दिया जा रहा है? ज़रूरी यह है कि सरकार और क़ानून व्यवस्था सख्ती से काम करे, गुनहगार को सज़ा दे और आगे ऐसी घटना न होने दे। लेकिन इसके बजाय पूरा समुदाय निशाने पर आ गया।

आज का पंजाब वैसे ही संकटों से घिरा है–खेती और अर्थव्यवस्था की बदहाली, राजनीतिक अस्थिरता, बिगड़ती क़ानून-व्यवस्था, युवाओं की बेरोज़गारी, बाढ़ से तबाही और सरकार की नाकामी ने लोगों की उम्मीदें तोड़ दी हैं। ऐसे माहौल में प्रवासियों को बलि का बकरा बनाना आसान रास्ता है।

1966 में पंजाब सिख बहुल राज्य बना था। उस समय सिख आबादी 61 प्रतिशत से अधिक थी, जो 2011 में घटकर 57.7 प्रतिशत रह गई। हालाँकि इसमें युवाओं का बड़े पैमाने पर विदेश प्रवास भी एक अहम कारण है, लेकिन कुछ ताक़तें प्रवासियों पर ठीकरा फोड़कर समाज में तनाव फैलाना चाहती हैं।

सवाल यह भी है कि प्रवासियों को हर समस्या की जड़ बताने वाले लोग कौन हैं और उनका मक़सद क्या है? महाराष्ट्र और दक्षिण भारत में भी प्रवासी मुद्दे को उठाकर चुनावी फ़ायदा लिया गया है। बिहार चुनाव नज़दीक हैं और पंजाब में ज़्यादातर प्रवासी वहीं से आते हैं। साफ़ है कि इस विवाद से किसे फ़ायदा होगा।

पंजाब में भी अगले साल चुनाव हैं। सरकार अपने वादों पर खरी नहीं उतरी। आतंकवाद के बाद से अब तक किसी सरकार ने पंजाब की ढाँचागत समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। जनता निराश है और ऐसे मुद्दे राजनीतिक दलों और स्वार्थी तत्वों के लिए मौक़ा बन जाते हैं।

पंजाब पहले भी बँटवारे और आतंकवाद की मार झेल चुका है। अब ज़रूरत है कि लोग समझें कि प्रवासियों को निशाना बनाकर केवल नफ़रत फैलाई जा रही है। पंजाब की एकता और भविष्य इसी में है कि सभी समुदाय मिलकर सामाजिक और आर्थिक स्थिरता कायम करें।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

आपदा प्रबंधन के लिए अलग-अलग मंत्रालय होंगे: केंद्र सरकार

● जिम्मेदार, तूफान से लेकर सूखा-बाढ़ तक की करेंगे निगरानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने आपदा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों को खास तरह की आपदाओं की जिम्मेदारी सौंपी है।

यानी अब हर एक विशिष्ट आपदा की निगरानी, शुरुआती चेतावनी, रोकथाम, शमन और तैयारी की जिम्मेदारी के लिए मंत्रालय तक कर दिए गए हैं। इसके जरिए केंद्र सरकार आपदाओं के दौरान जान-माल के नुकसान को कम से कम करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 35 के तहत मिली शक्तियों का उपयोग करते हुए, केंद्र सरकार उन मंत्रालयों या विभागों को अधिसूचित करती है, जिन्हें अलग-अलग वजहों से पैदा हुई आपदाओं के संबंध में निगरानी, प्रारंभिक चेतावनी, रोकथाम, शमन, तैयारी और क्षमता निर्माण की जिम्मेदारी दी जाएगी।

- **रक्षा मंत्रालय को हिमस्खलन और तेल रिसाव की जिम्मेदारी**–अधिसूचना के मुताबिक, रक्षा मंत्रालय को हिमस्खलन और तेल रिसाव जैसी आपदाओं को संभालने की जिम्मेदारी दी गई है। यह कदम विशेषकर सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में समय पर बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।
- **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय करेगा शुरुआती चेतावनी जारी**– पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय को शीत लहर, चक्रवात, बवंडर, भूकंप, लू, बिजली गिरने, सुनामी, ओलावृष्टि और भारी वर्षा के लिए शुरुआती चेतावनी जारी करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
- **कृषि मंत्रालय संभालेगा सूखा और कीट हमला**– कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय को पाला, शीत लहर, सूखा, ओलावृष्टि और कीट हमले से निपटने की जिम्मेदारी दी गई है। यह कदम किसानों के हित और फसल बचाव के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।
- **जल शक्ति मंत्रालय को बाढ़ की जिम्मेदारी**–जल शक्ति मंत्रालय को बाढ़ और ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड से निपटने का काम सौंपा गया है। वहीं, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय को शहरी बाढ़ से निपटने की जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन शुरुआती चेतावनी का कार्य इसमें शामिल नहीं होगा।

नेशनल फिल्म अवॉर्ड 2025

मोहनलाल को दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड

● शाहरुख खान-विक्रांत मैसी को बेस्ट एक्टर, रानी को बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड

● कटहल को बेस्ट हिंदी फिल्म का नेशनल अवॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मलयालम एक्टर मोहनलाल को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया। वहीं कटहल को बेस्ट हिंदी फिल्म का नेशनल अवॉर्ड मिला। इसके अलावा शाहरुख खान को फिल्म जवान और विक्रांत मैसी को फिल्म 12वीं फेल के लिए बेस्ट एक्टर के अवॉर्ड से सम्मानित किया। वहीं रानी मुखर्जी को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला।

- **शाहरुख खान ने हासिल किया पहला राष्ट्रीय पुरस्कार**– शाहरुख खान को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों फिल्म जवान के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड दिया गया। वो हाथ जोड़े हुए मंच पर पहुंचे और बेहद भावुक नजर आए। ये उनके करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड है। विक्रांत मैसी भी 12वीं फेल के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला। वहीं शिल्पा राव को बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर का अवॉर्ड मिला। कटहल को बेस्ट हिंदी फिल्म का नेशनल अवॉर्ड मिला।

तृतीय मां चंद्रघंटा

देवी मां के तृतीय ईश्वरीय स्वरूप का नाम मां चन्द्रघण्टा है। 'चंद्र' हमारी बदलती हुई भावनाओं, विचारों का प्रतीक है (ठीक वैसे ही जैसे चन्द्रमा घटता व बढ़ता रहता है)। 'घंटा' का अर्थ है जैसे मंदिर के घण्टे-घड़ियाल।

सुप्रभात

सोये हुए लोगों के बीच जागना पड़ रहा है मुझे
जीवन से अपरिचित
अपने से भागे
संतुष्ट अपने झूठ की मार से
अपने सच से मुँह फेर कर पड़े
लोगों के बीच
जागना पड़ रहा है मुझे
जागना पड़ रहा है
सोये हुये ऐसे लोगों के बीच
ऋतुओं से डरते हैं ये
डरते हैं ताजा हवा के झोंकों से
पहाड़ों की ऊँचाइयों से बेखबर
नावाक़िफ़ समन्दरों की गहराइयों से
ये लोग
तलाश नहीं सकते जमीन का वह टुकड़ा
जिस पर हक़ है इनका...
जागना पड़ रहा है मुझे...
इनकी भावना न चुरा ले जाय कोई
चुरा न ले जाए कोई इनका चित्त
इनके विचारों की रखवाली करनी पड़ रही है
मुझे
रखवाली करनी पड़ रही है इनके मान की
जा ग ना पड़ रहा है मुझे
सोये हुये लोगों के बीच.......।

- शलभ श्रीराम सिंह

अयोध्या दीपोत्सव पर 1251 महाआरती का बनेगा विश्व रिकॉर्ड

26 लाख दीयों से जगमग होगी राम की पैड़ी

अयोध्या (एजेंसी)। दीपोत्सव पर इस बार 1251 अर्चक एकसाथ सरयू की महाआरती कर नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में जिला प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद 2024 के दीपोत्सव में 1100 अर्चकों ने एकसाथ सरयू की महाआरती कर विश्व कीर्तिमान रचा था।

महाआरती का क्या है महत्व– अयोध्या में दीपोत्सव के अवसर पर आयोजित महाआरती का विशेष महत्व है। यह आरती न केवल भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के अयोध्या आगमन की स्मृति को जीवंत करती है, बल्कि हमारी सनातन परंपरा और संस्कृति का भव्य प्रतीक भी है। हजारों दीपों की जगमगाहट और मंत्रोच्चारण के बीच होने वाली यह महाआरती अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश देती है। यह महाआरती समाज में एकता, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है।

अपने ही दो रिकॉर्ड ध्वस्त करेगी अयोध्या

अयोध्या का विश्व प्रसिद्ध दीपोत्सव 19 अक्टूबर को अपने ही दो विश्व रिकॉर्ड को तोड़कर नया इतिहास रचेगा, इसमें राम की पैड़ी के घाटों पर 26 लाख दीप एकसाथ प्रज्ज्वलित करने के साथ सरयू की महाआरती भी शामिल है। रामनगरी में सरयू के तट पर प्रतिदिन 5100 बत्ती की महाआरती होती है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक शामिल होते हैं। रामलला के दर्शन के लिए आने वाले कई विशिष्ट मेहमान भी महाआरती का हिस्सा बनते रहे हैं। मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि इस संबंध में पर्यटन विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों से वार्ता चल रही है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए कई निर्णय

सार्वजनिक निजी भागीदारी से हैलीकॉप्टर सेवा संचालन की दी स्वीकृति

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत निजी ऑपरेटर के सहयोग से राज्य के भीतर हैलीकॉप्टर सेवा संचालन की स्वीकृति प्रदान गई है। संपूर्ण प्रदेश के हवाई अड्डों, हैलीपेड एवं हवाई पट्टियों के बीच निजी ऑपरेटर द्वारा चयनित स्थानों पर हैलीकॉप्टर सेवा प्रदाय की जायेगी।

हैलीकॉप्टर का संचालन तीन सेक्टरों में किया जाएगा। सेक्टर-1 में इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर, मांडू, महेश्वर, गांधीसागर, मंदसौर, नीमच, हनुवंतिया, खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर, बड़वानी, अलीराजपुर, रतलाम, झाबुआ, नलखेड़ा, भोपाल और जबलपुर शामिल होंगे। सेक्टर-2 में भोपाल, मढ़ई, पचमढ़ी, तामिया, छिंदवाड़ा, सांची, इंदौर, दतिया, दमोह, ग्वालियर, शिवपुरी, कूनो (श्योपुर), ओरछा, गुना, राजगढ़, सागर, होशंगाबाद, बैतूल, टीकमगढ़ और जबलपुर शामिल होंगे। सेक्टर-3 में जबलपुर, बांधवगढ़, कान्हा, चित्रकूट, सरसी, परसिली, मैहर, सतना, पन्ना, खजुराहो, कटनी, रीवा, सिंगरौली, अमरकंटक, सिवनी, सीधी, मंडला, पेंच, डिंडौरी, भोपाल और इंदौर के बीच हेलीकाप्टर सेवा का संचालन किया जायेगा।

इस सेवा का उद्देश्य प्रमुख शहरों, धार्मिक स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानों और पर्यटक स्थलों के मध्य निजी ऑपरेटर के सहयोग से किफायती एवं स्थायी हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराना है। इस सेवा से यात्रियों, पर्यटकों, व्यवसाइयों, निवेशकों एवं प्रदेश के रहवासियों का प्रदेश में आवागमन सुगम हो सकेगा। इससे प्रदेश के प्रमुख व्यापारिक शहरों एवं पर्यटक स्थलों के बीच व्यवसाय एवं पर्यटन गतिविधियों में अभिवृद्धि होगी और रोजगार के नये अवसरों का सृजन भी होगा।

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारणी की पुनरीक्षित लागत का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की 660 मेगावाट की सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारणी की पुनरीक्षित लागत 11 हजार 678 करोड़ 74 लाख रुपये का अनुमोदन प्रदान किया गया है। राज्य शासन द्वारा 20 प्रतिशत अंशपूँजी में से 684 करोड़ 53 लाख रूपये की राशि प्रदान की जायेगी और शेष राशि की व्यवस्था म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा स्वयं के स्त्रोत से की जायेगी। राज्य शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 तक प्रदान/आवंटित की गई 431 करोड़ 45 लाख रुपये की राशि के अतिरिक्त शेष राज्यांश वित्तीय वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक की अवधि में 50 करोड़ 62 लाख रूपये विभागीय बजट के माध्यम से प्रत्येक वर्ष म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड को उपलब्ध कराई जायेगी।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई की पुनरीक्षित लागत का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की 660 मेगावाट की अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई की पुनरीक्षित लागत 11 हजार 476 करोड़ 31 लाख रूपये का अनुमोदन प्रदान किया गया है। परियोजना का वित्त पोषण 20:80 अंशपूँजी एवं ऋण के अनुपात में किया जायेगा। राज्य शासन द्वारा 20 प्रतिशत अंशपूँजी में से 699 करोड़ 90 लाख रुपये की राशि प्रदान की जायेगी और शेष राशि की व्यवस्था मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड दवारा स्वयं के स्त्रोत से की जायेगी। राज्य शासन दवारा वित्तीय वर्ष 2025-26 तक प्रदान/आवंटित की गई 365 करोड़ रुपये की राशि के अतिरिक्त शेष राज्यांश वित्तीय वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक की अवधि में 66 करोड़ 98 लाख रुपये विभागीय बजट के माध्यम से प्रत्येक वर्ष म.प्र. पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड को उपलब्ध कराई जायेगी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c | न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 24 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

सीआरपीएफ को मिलेंगी स्वदेशी स्नाइपर राइफल

भोपाल। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को अत्याधुनिक सीएसआर 338 स्नाइपर राइफलें मिलने जा रही हैं। इसके लिए यूएई की हथियार निर्माता कंपनी केराकल और भारत की मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड समूह की इकाई आईकॉम टेली लिमिटेड के बीच ऐतिहासिक अनुबंध हुआ है। कठिन परिस्थितियों में भी हाई-परफॉर्मेंस देने वाली इस राइफल के पहले लॉट की डिलीवरी 2025 के अंत तक होने की संभावना है। अनुबंध के तहत 200 सीएसआर 338 स्नाइपर राइफलों का निर्माण और आपूर्ति हैदराबाद स्थित आईकॉम-केराकल स्मॉल आर्म्स कॉम्प्लेक्स से की जाएगी। अप्रैल 2025 में शुरू हुई यह यूनिट भारतीय बलों की जरूरतों के साथ-साथ वैश्विक निर्यात को भी पूरा करने के उद्देश्य से स्थापित की गई थी। केराकल के सीईओ हमद अल-अमेरी ने कहा कि यह समझौता 'मेक इन इंडिया' पहल और भारत-यूएई रक्षा सहयोग में एक मील का पत्थर है। वहीं, आईकॉम निदेशक सुमंत पाटुरु ने इसे स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ी सफलता बताया।

दिवाली हो या छठ...

अब मिलेगी कन्फर्म टिकट, रेलवे चला रहा 12000 स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली और छठ जैसे बड़े त्योहारों में बिहार और उत्तर भारत से भारी संख्या में लोग यात्रा करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि इस बार त्योहारों के दौरान 12 हजार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

यह फैसला रेल मंत्री की बिहार एनडीए नेताओं के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य के नेताओं से बातचीत कर लोगों की यात्रा जरूरतों को देखते हुए न सिर्फ नई ट्रेनें बल्कि कई और योजनाएं और परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

किराए में 20 प्रतिशत की छूट- रेल मंत्री ने एक नई प्रयोगात्मक योजना की भी जानकारी दी। इसके तहत 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक यात्रा करने वाले यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलेगा। वहीं, 17 नवंबर से 1 दिसंबर तक वापसी यात्रा करने पर किराए में 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

यात्रियों को कन्फर्म टिकट और किराए पर 20 प्रतिशत छूट की सुविधा मिलेगी

इस बार हम अपनी क्षमता को और भी बढ़ा रहे हैं : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

इस मौके पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इन पर्वों पर पिछले साल हमने 7500 स्पेशल ट्रेनें संचालित की थीं और इस बार हम अपनी क्षमता को और भी बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार छठ और दिवाली पर यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए इंडियन रेलवे का लक्ष्य 12 हजार स्पेशल ट्रेनें चलाने का है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इंडियन रेलवे की ओर से अभी तक 10 हजार स्पेशल ट्रेनों की अधिसूचना जारी की जा चुकी है।

यह है मकसद ?

रेल मंत्री ने बताया कि त्योहारों पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए चार नई अमृत भारत ट्रेनें शुरू की जाएंगी। ये ट्रेनें दिल्ली-गया, सहरसा-अमृतसर, छपरा-दिल्ली और मुजफ्फरपुर-हैदराबाद के बीच चलेंगी। इनका मकसद जनरल क्लास के यात्रियों को बेहतर सुविधा देना है। दिल्ली में हुई बैठक में बिहार एनडीए के नेताओं ने रेल मंत्री से त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राज्य के यात्रियों की सुविधाओं पर खास ध्यान देने का आग्रह किया।

प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार सतत प्रयासरत : राजेन्द्र शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता और उपलब्धता को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार सतत प्रयासरत है। नॉन क्लीनिकल एवं पैरा क्लीनिकल संकायों में सीनियर रेसीडेंट की नियुक्तियाँ चिकित्सा महाविद्यालयों को मजबूती प्रदान करेंगी। इससे स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा और प्रदेश को कुशल चिकित्सा शिक्षक भी उपलब्ध होंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व और सतत मार्गदर्शन में चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाइयाँ मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रदेश की भावी पीढ़ी के स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक साबित होगा।

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के 13 स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालयों में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के मापदण्डों अनुसार मान्यता प्राप्त करने के लिए सीनियर रेसीडेंट के 354 नवीन पदों के सृजन की स्वीकृति प्रदान की गई है। ये पद भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, सतना, विदिशा, रतलाम, खण्डवा, शहडोल, शिवपुरी, दतिया और छिंदवाड़ा स्थित चिकित्सा महाविद्यालयों में सृजित किए गए हैं। इस निर्णय से चिकित्सा महाविद्यालयों का सुचारू संचालन सुनिश्चित होगा और स्नातकोत्तर उत्तीर्ण छात्र वहीं सीनियर रेसीडेंटशिप कर सकेंगे। साथ ही नॉन क्लीनिकल एवं पैरा क्लीनिकल संकायों में प्रदेश को योग्य चिकित्सा शिक्षक भी मिल सकेंगे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने पिछड़ावर्ग बालक पोस्ट मैट्रिक छात्रावास के उन्नयन का प्राकलन एवं प्रस्ताव भेजने के दिये निर्देश

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा में संचालित 50 सीटर पिछड़ावर्ग बालक पोस्ट मैट्रिक छात्रावास को 100 सीटर नया छात्रावास निर्माण करने हेतु प्राकलन तैयार कर प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिये हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछड़े वर्ग के छात्रों की असुविधा को ध्यान में रखते हुए 50 सीटर छात्रावास को 100 सीटर कराया जायेगा तथा द्वितीय चरण में जमीन की तलाश कर 100 सीटर छात्रावास का भी निर्माण कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि जब तक नया छात्रावास नहीं बन जाता तब तक किराये के भवन में छात्रावास संचालित कराया जाय। नवीन सर्किट हाउस रीवा में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रतहरा में पूर्व के निर्मित 50 सीटर छात्रावास की स्थित ठीक नहीं है इसकी मरम्मत की जगह उसी स्थान पर नवीन छात्रावास का निर्माण कराया जाना आवश्यक होगा। आयुक्त रीवा संभाग श्री बीएस जामोद, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चेक बाउंस के मामले में अभियुक्त को छ : माह का साश्रम कारावास

बैतूल। अभियुक्त नंद लाल बारसे पिता शंकर बारसे निवासी मकान नं. 33, ग्राम पचामा, पोस्ट पाढर बुजुर्ग तहसील घोड़ाडोंगरी बैतूल ने हाउसिंग लोन के अंतर्गत मकान के निर्माण के लिये रुपये 1,00,000 रुपये वर्ष 2018 में 12 प्रतिशत की ब्याज दर से 5 वर्ष के लिये महिंद्रा रूरल हाउसिंग फाइनेंस शाखा बैतूल से ऋण प्राप्त किया था। अभियुक्त द्वारा मासिक किस्त 2,710 प्रतिमाह अदा करने में लगातार चूक की जाती रही। जिसके लिए बैंक द्वारा कई बार तकादे किये गए। जब बैंक द्वारा न्यायालय के माध्यम से कार्यवाही करने को कहा गया तो आरोपी ने ऋण राशि का भुगतान नगदी न करते हुए अपने बचत खाता का चेक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा पाढर बुजुर्ग तहसील घोड़ाडोंगरी का चेक क्रमांक 006594 राशि 1,73,751 रूपये 13 अगस्त 2022 का स्वयं हस्ताक्षरित कम्पनी के नाम से जारी किया, जो खाते में निधि पर्याप्त न होना के कारण बैंक द्वारा अनादरित कर दिया गया। जिसके बाद बैंक द्वारा सक्षम न्यायालय में परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 की धारा 138 के तहत कार्यवाही की गई।

कोलकाता में भारी बारिश से बाढ़, 7 की मौत

● 24 घंटों में लगभग 247.5 मिमी बारिश ,सड़कों-घरों में 3 फीट तक पानी भरा ● 30 फ्लाइट्स कैंसिल, रेलवे-मेट्रो सर्विस ठप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में सोमवार देर रात से मंगलवार सुबह तक मूसलाधार बारिश से बाढ़ आ गई। पानी में बिजली का करंट फैलने से अब तक सात लोगों की मौत हो गई है। कोलकाता में पिछले 24 घंटों में लगभग 247.5 मिमी बारिश हुई।

सड़कों पर दो से तीन फीट तक पानी भर गया है। यातायात व्यवस्था सुबह से चरमरा गई है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें सड़कों पर खड़ी गाड़ियां आधी से ज्यादा डूबी दिखीं। कई घरों और रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में भी पानी घुस गया।

कोलकाता एयरपोर्ट पर पानी भरने और खराब मौसम के कारण 30 फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं और 42 फ्लाइट्स लेट हो गईं। सड़कों पर पानी भरने से यात्रियों को एयरपोर्ट पहुंचने में भी दिक्कत आ रही है। पानी भरने से शहीद खुदीराम और मैदान मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा रोक दी गई है।

सीएम ममता ने पंडाल उद्घाटन कार्यक्रम स्थगित कए

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राहत कार्यों की निगरानी के लिए आज कोलकाता में होने वाले सभी निर्धारित पूजा उद्घाटन कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। ममता आज पूजा पंडाल का उद्घाटन करेंगी। वहीं जिन जिलों में बारिश नहीं हुई है वहां के कार्यक्रमों का मुख्यमंत्री अपने आवास से वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करेंगी।

कोलकाता एयरपोर्ट के टरमैक पर पानी भरा- मंगलवार सुबह एयरपोर्ट के टरमैक (प्लेन का पार्किंग एरिया) पर भी पानी भरा दिखा। एअर इंडिया और इंडिगो ने अपने पैसेंजर्स के लिए एडवाइजरी जारी की है। एयरलाइन कंपनियों ने कहा है कि फ्लाइट्स देरी से चल सकती हैं।

आजम खान 23 महीने बाद रिहा

बसपा में जाने के सवाल पर कहा- अटकलें लगाने वालों से ही पूछिए

रामपुर (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान 23 महीने बाद सीतापुर जेल से मंगलवार दोपहर रिहा हो गए। जेल से निकलने के बाद आजम ने बसपा में जाने के सवाल पर कहा- यह अटकलें लगाने वाले ही बता सकते हैं। मैं जेल में किसी से नहीं मिला। फोन करने तक की इजाजत नहीं थी।

आजम खान को 5 दिन पहले हाईकोर्ट ने बीयर बार पर कब्जे से जुड़े केस में जमानत दी थी। यह आखिरी मामला था, जिसमें उन्हें जमानत मिली। बसपा में जाने पर आजम ने कहा- ये वही बता सकते हैं जो अटकलें लगा रहे।सीतापुर जेल से रिहा होने के बाद सपा नेता आजम खान ने कहा- सबका बहुत शुक्रिया। बहुत सी दुआएं उनके लिए (जिन्होंने समर्थन दिया)। बसपा में शामिल होने की अटकलों पर आजम कहा- यह केवल वही लोग बता सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की एम करुणानिधि की मूर्ति लगाने पर रोक

● तमिलनाडु सरकार से कहा- नेताओं के महिमामंडन के लिए जनता के पैसों का इस्तेमाल न करें

चेन्नई (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि नेताओं का महिमामंडन करने के लिए जनता के पैसों का इस्तेमाल क्यों किया जाए। राज्य सरकार पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि की मूर्ति लगाने की परमिशन के लिए याचिका लेकर पहुंची थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने कहा- इसकी अनुमति नहीं है।

फ्लाइट के लैंडिंग गियर में छुपकर दिल्ली आया 13 साल का लड़का

● बोला- देखना था कैसा लगता है, पूछताछ के बाद वापस अफगानिस्तान भेजा

काबुल/ नईदिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान से एक 13 साल का लड़का प्लेन के लैंडिंग गियर में छुपकर भारत आ गया। यह घटना रविवार, 21 सितंबर की है।

अफगानिस्तान की केएएम एयरलाइन की फ्लाइट RQ-4401 काबुल के हामिद करजई एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार सुबह 8:46 बजे रवाना हुई और सुबह 10:20 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर उतरी। एयरलाइन कर्मचारियों ने फ्लाइट के पास एक लड़के को घूमते देखा। उन्होंने तुरंत अधिकारियों को तुरंत सूचित किया। इसके बाद सीआईएसएफ ने लड़के को हिरासत में ले लिया और पुलिस को सौंप दिया।

● **लड़के के जिंदा बचने से एजेंसियां हैरान-** सुरक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, विमान में पहिये के पास छिपकर यात्रा करना बेहद खतरनाक होता है। 30 हजार फीट की ऊंचाई पर तापमान माइनस 40 से माइनस 60° सेंटीग्रेड तक गिर जाता है और ऑक्सीजन भी बेहद कम हो जाती है, जिससे कुछ ही मिनटों में बेहोशी या मौत हो सकती है। हालांकि, इस मामले में एजेंसियां हैरान हैं कि लड़का कैसे जिंदा बच गया, क्योंकि लैंडिंग गियर कम्पार्टमेंट विमान के सबसे निचले हिस्से में होता है। इसमें सुरक्षा उपकरण, ब्रेक सिस्टम और हाइड्रोलिक पाइप होते हैं।

सीवरेज के पानी में बैठे कांग्रेस विधायक, एसडीएम पर भड़के, कंधे पर हाथ मारा

बोले- जहर खा लूंगा, काम हुआ हो तो राजनीति से इस्तीफा दे दूं

नागौर (एजेंसी)। मकराना में सफाई व्यवस्था को लेकर विधायक जाकिर गैसावत नगर परिषद के सामने भरे सीवरेज के पानी में धरने पर बैठ गए। सूचना पर एसडीएम अंशुल सिंह पहुंचे। विधायक और एसडीएम में बहस हो गई। इसी दौरान विधायक ने एसडीएम अंशुल सिंह के कंधे पर हाथ मार दिया।

अचानक हुए इस वाकया से एसडीएम भड़क गए। तब विधायक ने हाथ पकड़कर रोकते हुए कहा- हमारे साथ चलो। आपको हमारे चलना पड़ेगा। एसडीएम ने कहा- हाथ छोड़िए आप, इस तरह से आप करोगे तो मैं साथ नहीं जाऊंगा। इस पर विधायक ने कहा- ठेकेदारों ने मकराना को बर्बाद कर दिया है। मैं जहर खाकर मर जाऊंगा। मामला मकराना नगर परिषद के सामने का मंगलवार दोपहर 1:30 बजे का है।

पार्वती नदी में नहाने उतरे चार दोस्त बहे, मौत

कोटा/इटावा (एजेंसी)। कोटा में इटावा के खातोली थाना क्षेत्र में पार्वती नदी (छुआरी धाम) नहाने उतरे सात दोस्तों में से चार बह गए। हादसे में चारों की मौत हो गई। 25 घंटे बाद मंगलवार दोपहर को तीन शव डेढ़ किलोमीटर दूर मिले। वहीं एक दोस्त को ग्रामीणों ने घटना के डेढ़ घंटे बाद ही निकाल लिया था, लेकिन वह बच नहीं सका। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है।

घटना के दौरान मौजूद 13 साल के विक्रम ने बताया कि तौलिया डालकर दो साथियों को तो बचा लिया, लेकिन भाई समेत चार बह गए थे। डीएसपी शिवम जोशी ने बताया- 22 सितंबर की दोपहर करीब 12 बजे खातोली कस्बे के कुछ किशोर छुआरी धाम पहुंचे और नदी में नहाने लगे। इस दौरान अशफाक (17) बहाव में बह गया। उसे बचाने के लिए उसके साथी मोहित सुमन (18), सोनू सुमन (17) और आयुष गुर्जर (16) भी पानी में डूब गए।

रुपया रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर आया

डॉलर के मुकाबले 10 पैसे गिरकर 88.49 पर पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रुपया 23 सितंबर डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। सुबह के कारोबार में रुपया 88.49 तक लुढ़क गया, जो दो हफ्ते पहले के ऑल टाइम लो (88.46) को पार कर गया। सुबह रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ 88.41 प्रति डॉलर पर खुला। सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ 88.31 पर बंद हुआ था।

राहुल बोले- वोट चोरी, बेरोजगारी का सीधा रिश्ता

युवा भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे, मोदी इमेज बनाने और अरबपतियों को फायदा दिलाने में बिजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को फिर से बीजेपी पर वोट चोरी के आरोप लगाए हैं। उन्होंने X पर लिखा कि देश में युवाओं की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है और इसका सीधा रिश्ता वोट चोरी से है।

उन्होंने बिहार के बेरोजगार युवाओं का वीडियो शेयर कर लिखा- जब कोई सरकार जनता का विश्वास जीतकर सत्ता में आती है तो उसका पहला कर्तव्य होता है युवाओं को रोजगार और अवसर देना।

लेकिन भाजपा चुनाव ईमानदारी से नहीं जीतती। वो वोट चोरी और संस्थाओं को कैद कर के सत्ता में बने रहते हैं। इसीलिए बेरोजगारी 45 साल के हाई लेवल पर पहुंच चुकी है।

राहुल ने कहा कि देश का युवा मेहनत करता है, सपने देखता है और अपने भविष्य के लिए संघर्ष करता है। लेकिन मोदी जी सिर्फ अपने पीआर, सेलिब्रिटीज से अपना गुणगान करवाने और अरबपतियों के मुनाफे में बिजी हैं। युवाओं की उम्मीदों को तोड़ना और उन्हें हताश करना इस सरकार की पहचान बन चुकी है।

युवा नौकरी की लूट नहीं सहेंगे

राहुल ने कहा कि अब हालात बदल रहे हैं। भारत का युवा समझ चुका है कि असली लड़ाई सिर्फ नौकरियों की नहीं, बल्कि वोट चोरी के खिलाफ है। क्योंकि जब तक चुनाव चोरी होते रहेंगे, तब तक बेरोजगारी और भ्रष्टाचार भी बढ़ते रहेंगे।

अब युवा न नौकरी की लूट सहेंगे, न वोट की चोरी। भारत को बेरोजगारी और वोट चोरी से मुक्त करना ही अब सबसे बड़ी देशभक्ति है।

राजा हत्याकांड की 790 पेज की चार्जशीट सोनम के भाई ने देखना चाही, प्रति मांगी

गोविंद ने कहा हम भी जानना चाहते हैं कि बहन ने ऐसा क्यों किया

इंदौर। देशभर में चर्चित हुए राजा रघुवंशी हत्याकांड में मेघालय की शिलांग पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी। 790 पेज की इस चार्जशीट में पुलिस ने अपनी जांच में तथ्य जमा किए हैं, उन्हें मृतक राजा रघुवंशी के परिवार ने देखने की इच्छा जाहिर की है। साथ ही सोनम का भाई गोविंद भी इस चार्जशीट को देखना चाहता है।

दोनों ही परिवार जानना चाहते हैं कि आखिर सोनम ने ऐसा क्यों किया। चार्जशीट के लिए गोविंद भी अपने प्रयास करेगा। गोविंद को ये जानकारी मिली कि 26 सितंबर के पहले चार्जशीट नहीं मिलेगी। इस मामले में सोनम के भाई गोविंद का कहना है कि फिलहाल उन्होंने कोई वकील नहीं किया है। ही जमानत के लिए कुछ किया। 26 सितंबर तक चार्जशीट मिलने का कहा गया है। वो देखने के बाद ही आगे की प्रोसेस क्या करना है यह तय करेंगे।

चार्जशीट की कॉपी उन्हें सरकारी वकील के जरिए मिलेगी या प्राइवेट वकील से या फिर सीधे कोर्ट से ही उन्हें चार्जशीट की कॉपी मिलेगी इसके लिए भी गोविंद कोशिश करेगा। अगर चार्जशीट वकील के माध्यम से मिलेगी तो उसके लिए वकील भी करेंगे। गोविंद के मुताबिक, हम जानना चाहते है कि हमारी बहन ने ऐसा क्या किया! बाकी कार्रवाई चार्जशीट पढ़ने के बाद ही करने पर विचार होगा।

राजा के भाई ने वकील किया- राजा रघुवंशी के भाई विपिन ने वकील हायर कर लिया है। वह भी कोशिश कर रहे है कि उन्हें भी चार्जशीट मिल जाए। वह भी जानना चाहते है कि चार्जशीट में क्या लिखा है। परिवार यह चाहता है कि राजा की कातिलों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। 21 सितंबर को राजा रघुवंशी का जन्मदिन भी था। जिसे परिवार ने मनाया। परिवार के लोगों ने राजा

की फोटो के पास बर्थडे सॉन्ग भी किया और मां ने बेटे की फोटो की बलाएं भी ली थी। शाम को उन्होंने वृद्धाश्रम में कंबल बांटे।

खाई में मिला था राजा का शव

ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की 11 मई को सोनम के साथ शादी हुई थी। 20 मई को राजा और सोनम हनीमून के लिए इंदौर से मेघालय रवाना हुए थे। 22 मई को दोनों सोहरा की यात्रा पर निकले थे। उन्होंने एक एक्टिवा भी किराए पर ली थी। 24 मई को राजा-सोनम से परिवार का संपर्क टूट गया था। 27 मई से दोनों की सर्चिंग शुरू की गई। 29 मई को तेज बारिश के कारण सर्चिंग रोकनी पड़ी थी। इसके बाद 30 मई को दोबारा सर्चिंग शुरू की गई। 2 जून को खाई में राजा का शव मिला। 3 जून को राजा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि उसकी हत्या पेड़ काटने वाले हथियार से की गई थी।

इसके बाद राजा की हत्या और सोनम के अचानक गायब होने के एंगल से पुलिस सोनम की तलाश में जुट गई। 9 जून को सोनम यूपी के गाजीपुर स्थित एक ढाबे पर मिली थी। इसके बाद परत-दर-परत मामले में कई खुलासे हुए। इन खुलासों ने रघुवंशी परिवार सहित सभी को चौंका दिया था। इसमें मामले में पुलिस ने 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से तीन की जमानत हो चुकी है। जबकि, सोनम और उसके प्रेमी राज कुशवाह समेत 5 आरोपी शिलांग की सेंट्रल जेल में बंद हैं।

बच्चों की मौत में भट्टा संचालक आरोपी

इंदौर। ईंट भट्टे के पास पानी से भरे गड्ढे में डूबने से हुई दो बच्चों की मौत के मामले में एक माह बाद अब जांच के आधार पर पुलिस ने भट्टा संचालक पर केस दर्ज किया है। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक हादसा 4 अगस्त को कालिन्दी गोल्ड सिटी के सामने दिव्यांशु पिता जितेन्द्र बुधोरिया (11) और कुलदीप पिता अनिल मुंघाटे (12) की गड्ढे में डूबकर मौत हो गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम किया था। मर्ग जांच के बाद ठेकेदार विशाल पिता महेश ओसवाल निवासी ग्राम कडवा सांवेर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। जांच में पाया गया कि घटना दिनांक को आरोपी ईंट भट्टे के संचालक ने ईंट के लिए निकाले जाने वाली मिट्टी के कारण बने गड्ढा किया था। वहां कोई सुरक्षा बोर्ड नहीं लगाया गया था।

नौकरानी पर धर्म परिवर्तन का दबाव

इंदौर। विभागीय जांच के चलते आईएएस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने वाली पत्नी खुद मुसीबत में घिर गई। उस पर नौकरानी ने बाबा और साथी के साथ मिलकर इस्लाम धर्म अपनाने के आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। अधिकारी की पत्नी, तांत्रिक बाबा और साथी महिला पर लंबे समय से इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव डाल रहे थे। पुलिस को छिंदवाड़ा में रहने वाली ममता उइके ने बताया कि वह इंदौर में मित्र बंधु नगर में रहती है। वह अधिकारी की पत्नी आरोपी तबस्सुम बानो निवासी माणिक बाग रोड के यहां काम करती थी। इस दौरान तबस्सुम ने उसे परेशानी दूर कराने वाले बाबा शाहिद शेख से मिलवाया। तांत्रिक क्रिया से लाभ नहीं मिलने पर बाबा ने उसे इस्लाम अपनाने को कहा। इसके बाद साहिल और तबस्सुम भी धर्म परिवर्तन का दबाव डालने लगे।

मकान गिरा, मलबे में दबने से भतीजी व चाचा की मौत, 12 घायल, 4 गंभीर

नगर निगम के बचाव दल ने रात को ही घटनास्थल पर मोर्चा संभाला

इंदौर। सोमवार रात तीन मंजिला बिल्डिंग के अचानक गिर जाने से चाचा-भतीजी की मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गए। इनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। रानीपुरा क्षेत्र के कोष्टि मोहल्ला, जवाहर मार्ग पार्किंग के पास सोमवार रात यह हादसा हुआ। बारिश से कमजोर हुई तीन मंजिला जर्जर इमारत रात करीब 9 बजे अचानक भरभराकर गिर गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हुए हैं।

मृतकों की पहचान अल्फिया (20 वर्ष) और उनके चाचा फहीमुद्दीन अंसारी के रूप में हुई है। दोनों मलबे में दब गए थे और बचावकर्मियों ने निकालने के बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे में 12 लोग घायल हुए, जिनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों का इलाज महाराजा यशवंतराव अस्पताल में किया जा रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि कई घायलों को सिर और रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आई हैं।

हादसे का कारण- इमारत पहले से पुरानी और जर्जर थी। दीवारों में दरारें थीं और लगातार हुई बारिश से नींव कमजोर थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि इमारत की हालत खराब होने की शिकायत पहले भी की गई थी, लेकिन समय रहते कार्रवाई नहीं हुई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और नगर निगम की टीमों ने मोर्चा संभाला। देर रात तक मलबा हटाने और लोगों को निकालने का कार्य जारी रहा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर शिवम वर्मा, पुलिस कमिश्नर और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। आसपास की बिजली की लाइनें टूटने से तत्काल बिजली सप्लाई बंद की गई ताकि कोई और हादसा न हो। जिला प्रशासन ने इमारत गिरने की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि इमारत की संरचना कब और कैसे बनी, और क्या इसमें किसी तरह की लापरवाही हुई। घायलों के इलाज की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन ने ली है। मृतकों के परिजनों को सहायता राशि देने की घोषणा जल्द की जाएगी। इंदौर की यह त्रासदी फिर से सवाल खड़े करती है कि शहर में जर्जर इमारतों की समय पर पहचान और मरम्मत क्यों नहीं हो पाती। चाचा-भतीजी की मौत ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया है, वहीं घायल अब भी अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। प्रशासन ने जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

नकली नोट छापकर खपाने वाला रैकेट पकड़ा, 56 हजार के फर्जी नोट जब्त

चार आरोपी गिरफ्तार, इन्होंने यूट्यूब से देखकर नोट छापना सीखा

इंदौर। नकली नोट छापने और उन्हें बाजार में खपाने वाले एक संगठित रैकेट को पुलिस ने पकड़ लिया। चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 56 हजार रुपए के जाली नोट बरामद किए। सभी नोट 200 रुपए मूल्यवर्ग के हैं। पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुछ लोग नकली नोटों का कारोबार कर रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर, एक विशेष टीम ने निगरानी शुरू की और कुमड़ी कांकड़, एमआर 10 के पास से चार संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी के दौरान, उनके पास से 56,000 रुपये के नकली नोट मिले, जिनमें से हर आरोपी के पास 12 हजार से 16 हजार रुपए के नोट थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में खंडवा के रहने वाले यशराज मीणा और सोम मीणा शामिल हैं। इनके अलावा एक आरोपी हरदा का और एक न्यू गौरी नगर (मूलतः रीवा का रहने वाला) का है। पुलिस ने चारों को दो दिन की रिमांड पर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि ये आरोपी खंडवा में एक प्रिंटिंग प्रेस चला रहे थे, जहां ये नकली नोट छापते थे। इसके बाद, वे इन जाली नोटों को असली नोटों के बीच मिलाकर बाजार में चलाते थे।

पुलिस ने चारों को दो दिन की रिमांड पर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी खंडवा में एक प्रिंटिंग प्रेस चला रहे थे, जहां ये नकली नोट छापते थे। इसके बाद इन्हें असली नोटों के बीच मिलाकर बाजार में खपाने की योजना बनाई जाती थी। एडिशनल डीसीपी रामस्नेही मिश्रा ने बताया कि यह गंभीर और संगठित अपराध है।

त्योहारों के दौरान महिलाओं की सुरक्षा पर अब मोबाइल शक्ति नजर रखेगी

पुलिस आयुक्त ने पुरुष-महिला बल की 13 वाहन टीम रवाना की

इंदौर। पुलिस ने आह्वान किया कि पर्व व त्योहारों के दौरान महिलाएं निर्भीक होकर भक्ति करें। उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस की मोबाइल शक्ति लगातार पेट्रोलिंग करती रहेगी। नवरात्रि के दौरान गरबा पंडालों और भक्ति स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिस सहित शक्ति मोबाइल टीमों को पुलिस कमिश्नर ने ब्रीफ कर रवाना किया।

ये मोबाइल शक्ति शहर के विभिन्न भक्ति स्थलों पर निरंतर पेट्रोलिंग कर आसामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखेंगी। महिला संबंधी अपराधों पर नियंत्रण तथा नवरात्री पर्व के दौरान गरबा पंडालों व विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में महिलाओ की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए स्थलों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखेंगी। इसके लिए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा शहर के सभी थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस बल सहित शक्ति मोबाइल का गठन किया गया है। यह नवरात्रि पर्व के दौरान रोज भक्ति स्थलों जैसे गरबा पांडाल, भजन संध्या, कन्या पूजन, भंडारा आदि विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आसपास तैनात रहेंगी और लगातार पेट्रोलिंग करेंगी। उक्त शक्ति मोबाइल को सोमवार को पुलिस आयुक्त कार्यालय से पुलिस आयुक्त ने पुरुष और महिला बल को ब्रीफ कर 13 वाहनों की टीम को रवाना किया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने सभी को बताया कि, महिला अपराधों पर अंकुश लगाने एवं नवरात्रि के दौरान महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इन शक्ति मोबाइल का गठन किया गया है, जो प्रत्येक एसीपी अनुभाग के अंतर्गत कार्य करेंगी। जिसमें एक महिला उपनिरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक प्रभारी, 2 महिला आरक्षक तथा 2 पुरुष आरक्षक सहित, चार पहिया वाहनों पर टीम तैनात रहेंगी।

ये क्षेत्र के गरबा पांडाल, भजन संध्या, कन्या पूजन, भंडारा आदि आयोजित धार्मिक कार्यक्रम स्थल पर प्रतिदिन रात्रि के समय लगातार पेट्रोलिंग करती रहेगी।

ये मनचलों, छेड़छाड़ करने वालों, कार्यक्रम के आसपास नशा करने वालों व रास्तों गलियों पर संदिग्ध दिखने वालो और अवैधानिक गतिविधियों पर कड़ी नजर रखेंगी और उनके विरुद्ध उचित वैधानिक कार्यवाही करेंगी। साथ ही वहां उपस्थित लड़कियों व महिलाओं व आयोजक महिलाओं से संवाद भी बनाए रखेंगी और कोई भी समस्या होने पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार कार्यवाही करते हुए कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आरके सिंह सहित नगरीय इंदौर के सभी उपयुक्तगण व शक्ति मोबाईल में तैनात महिला एवं पुलिसकर्मी भी उपस्थित रहे।

बेहद चमत्कारी है हरसोला स्थित स्वयं-भू मां भवानी माता मंदिर

नवरात्रि पर गरबों की गूंज, भक्तों की मनोकामनाएं पूरी

इंदौर। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर ग्राम हरसोला स्थित लगभग 400 वर्ष पुराने स्वयं-भू माँ भवानी माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। यह मंदिर चमत्कारी माना जाता है और यहां मां भवानी तीन स्वरूपों बाल, युवा और वृद्धा रूप में भक्तों को दर्शन देती हैं। भक्तों

का विश्वास है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं। पं बालकृष्ण शर्मा की चौथी पीढ़ी प्रतिदिन मंदिर में पूजा-पाठ कर रही है। मान्यता है कि बाल अवस्था में मां के दर्शन कर कैंची चढ़ाने से न बोल पाने वाले बच्चे भी बोलने लगते हैं। नवरात्रि के दौरान नौ दिनों तक छोटी-छोटी कन्याओं द्वारा गरबा खेला जाता है और मातृशक्ति मां के भजनों की मधुर प्रस्तुति देती हैं। करीब 8 हजार स्क्वायर फीट में मंदिर का निर्माण 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जिसमें जन सहयोग से श्रद्धालु योगदान दे रहे हैं। यहां प्रतिमाह नवमी को 200 से 300 कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया जाता है तथा नवरात्रि की बारस पर विशाल भंडारे का आयोजन होता है। मंदिर परिसर में धर्मशाला और घाट निर्माण की योजना भी है। वहीं, ज्योतिषाचार्य पं बालकृष्ण शर्मा नि :शुल्क दवाई वितरण और पत्रिका दर्शन से लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं।

जीपीओ कैंपस में पौधरोपण किया गया

इंदौर। डाक विभाग द्वारा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत सोमवार को इंदौर जीपीओ परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर पोस्टमास्टर जनरल, इंदौर परिक्षेत्र प्रीति अग्रवाल की विशेष उपस्थिति रही। अग्रवाल ने पौधरोपण को पर्यावरण संरक्षण का सर्वोत्तम उपाय बताते हुए स्टाफ को अधिकाधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया और कर्मचारियों को पौधे भी वितरित किए। प्रवर अधीक्षक डाकघर, इंदौर नगर संभाग शिवांसु कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि लगातार बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं इस ओर संकेत कर रही हैं कि प्रकृति का अंधाधुंध दोहन रोकना आवश्यक है। कार्यक्रम में सहायक निदेशक डीके डोंगरे, प्रवीण श्रीवास्तव, राजेंद्र व्यास, रेल डाकघर अधीक्षक उमाकांत शाक्यवार सहित डाक विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

51 शिक्षक नेशन बिल्डर अवॉर्ड से सम्मानित

इंदौर। रोटरी क्लब ऑफ इंदौर प्रोफेशनल्स द्वारा जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों के 51 शिक्षकों को 'नेशन बिल्डर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि स्वप्निल कोठारी ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की सबसे अहम कड़ी हैं। विशेष अतिथि अनीता चौहान ने सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। रोटरी मंडल अध्यक्ष सुशील मल्होत्रा ने शिक्षा में संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। क्लब अध्यक्ष भानु तापडिया ने शिक्षकों के योगदान को नमन करते हुए आभार व्यक्त किया। अतिथियों ने शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट किए। कार्यक्रम में रोटरी के वरिष्ठ पदाधिकारी, शिक्षाविद और अनेक रोटेरियंस शामिल हुए।

युवती को देह व्यापार में धकेलने वाली दंपत्ति को पुलिस ने प. बंगाल से पकड़ा

इंदौर। पलासिया पुलिस ने पश्चिम बंगाल की एक महिला को उसके गांव से पकड़ा। आरोपी महिला एक लड़की को बेचने और देह व्यापार में धकेलने के मामले में फरार चल रही थी। पलासिया पुलिस ने एक टीम बनाकर महिला की जानकारी निकाली। इसके बाद उसे मौके पर जाकर हिरासत में लिया। पलासिया थाना टीआई सुरेंद्र रघुवंशी ने बताया कि

काकली पति रफीक एवं नसीरूल, निवासी ग्राम सोलहवां, जिला 24 परगना (पश्चिम बंगाल), अंतरराज्यीय गिरोह के मेंबर होकर महिलाओं और लड़कियों को बहला-फुसलाकर पश्चिम बंगाल से इंदौर लेकर आते थे। इसमें एक लड़की को पश्चिम बंगाल से काम दिलाने के नाम पर नवी मुंबई लाए। यहां अपनी साथी जैसमिन से मिलाया। इसके बाद उस पर देह व्यापार का दबाव बनाया। यहां पीड़िता ने इनकार किया तो उसे अपनी दोस्त अमरीन के पास इंदौर के खजराना भेज दिया, जहां घरेलू काम की बात की गई। अमरीन ने पलासिया में युवती को बंद करके एक फ्लैट में रखा। इस दौरान उससे देह व्यापार कराया गया। पीड़िता यहां से भाग निकली। इसके बाद पुलिस ने धारा 370(2), 342, 109, 34 भादवि तथा 5/6 अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 के तहत केस दर्ज किया। पूर्व में इस मामले में जैसमीन और अमरीन को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद आरोपी नसीरूल मोंडल और उसकी पत्नी काकली मोंडल की तलाश की जा रही थी। मुंबई से दोनों को लेकर जानकारी लगी कि वे पश्चिम बंगाल में रह रहे हैं। इस पर टीम ने मौके पर जाकर गांव से दोनों को पकड़ लिया।

जयपुर में फाइव स्टार विला के नाम पर ठगी

इंदौर। जयपुर में फाइव स्टार विला बेचने के नाम पर बदमाश ने सवा 22 लाख रुपए ठग लिए। ठग ने 'द दाऊ ओ मुन्तजाए' नाम की कंपनी बनाकर पीड़ित को झांसे में लिया था। फरियादी आकांक्षा पति विवेक वाजपेयी को आरोपियों ने फेसबुक पर जयपुर स्थित द दाऊ ओ मुन्तजाए प्रोजेक्ट में फाइव स्टार विला बेचने के नाम पर अलग-अलग मोबाइल नबंरों से सम्पर्क किया। इसके बाद आकांक्षा से धोखाधड़ी पूर्वक फर्जी अलाटमेंट लेटर का उपयोग कर एडवांस राशि 22 लाख 17 हजार 500 रुपए ऐंठ लिए। पैसे लेने के बाद आरोपी ने न विला तैयार करके दियाया और न लिए रुपए वापस किए। विवेचना के दौरान फरार आरोपियों पकड़ने एक टीम मुबई रवाना की गई थी। टीम ने यहां से फरियादी को काल करने वाली आरोपी प्रति राव उर्फ प्रीति यादव निवासी शिवराम पार्क नागलोई दिल्ली एवं कंपनी का मालिक धर्मेन्द्र उर्फ धीरज वाधवानी निवासी महिमा अलीजा पत्रिकार कॉलोनी जयपुर को पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि आरोपी धर्मेन्द्र द दाऊ ओ मुन्तजाए कंपनी में 85 प्रतिशत का पार्टनर है।

संपादकीय

लालू परिवार में अंर्तकलह

बिहार में विधानसभा चुनाव से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के परिवार के बीच जिस तरह से अंर्तकलह मची है, उसका चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर कितना प्रभाव पड़ेगा, यह सवाल अब गंभीरता से पूछा जाने लगा है। वैसे भी राज्य में महागठबंधन में शामिल पार्टियों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर घमासान पहले ही से है, उस पर यह पारिवारिक विवाद सार्वजनिक रूप लेता जा रहा है, यह राजनीतिक दृष्टि से लालू परिवार के लिए अच्छा लक्षण नहीं है। लालू ने अपने छोटे बेटे तेजस्वी यादव को अपने उत्तराधिकारी के रूप में चुना है। राष्ट्रीय जनता दल के चेहरे के रूप में उन्हें ही प्रोजेक्ट किया जा रहा है। यही बात परिवार के बाकी सदस्यों को रास नहीं आ रही है। इस बार असंतोष तेजस्वी के करीबी और राजनीतिक सलाहकार सांसद संजय यादव को लेकर है। कहा जा रहा है कि संजय ने तेजस्वी को अपने शिकंजे में ले लिया है और बाकी के सदस्यों की अनदेखी की जा रही है। तेजस्वी के बड़े भाई तेजप्रताप ने तो पहले ही बगावत का झंडा बुलंद कर दिया था, अब उनकी एक और बहन रोहिणी आचार्य ने भी अपनी पीड़ा जताने के साथ साथ राजनीतिक महत्वाकांक्षा का इजहार भी परोक्ष रूप से कर दिया है। 2022 में अपने पिता को किडनी दान करने वाली रोहिणी ने 18 सितंबर को एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की पोस्ट को शेयर किया, जिसमें संजय यादव पर 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान बस की अगली सीट पर बैठने का आरोप लगाया गया था। यह सीट आमतौर पर लालू प्रसाद या तेजस्वी यादव जैसे शीर्ष नेताओं के लिए आरक्षित होती है। पोस्ट वायरल होने के बाद रोहिणी ने दलित समुदाय के पूर्व विधायक शिव चंद्र राम जैसे हाशिए पर पड़े नेताओं की तस्वीरें शेयर कीं, जो उसी सीट पर बैठे दिख रहे थे। उन्होंने लिखा कि राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव जी द्वारा सामाजिक-आर्थिक न्याय के लिए चलाए जा रहे अभियान का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े वंचित वर्ग को आगे लाना रहा है। इन तस्वीरों में इन्हीं वर्गों से आने वाले लोगों को आगे बैठे देखना सुखद अनुभव है।' 19 सितंबर को रोहिणी ने सिंगापुर में किडनी दान के दौरान ऑपरेशन थिएटर ले जाते समय की पुरानी तस्वीर शेयर की और लिखा कि मुझे किसी पद की लालसा नहीं है, न ही कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा। मेरे लिए मेरा स्वाभिमान सर्वोपरि है।' सूत्रों के अनुसार, रोहिणी विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती थीं, लेकिन तेजस्वी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। दरअसल रोहिणी आचार्य का सोशल मीडिया पर संजय यादव के खिलाफ नाराजगी जताना और फिर परिवार को अनफॉलो करना कोई साधारण घटना नहीं है। राजनीतिक नजरिए से यह विवाद आजेडी के लिए डबल खतरा है। पहला-चुनावी सीजन में परिवार की फूट विपक्ष के लिए हथियार बनेगी। नीतीश कुमार और बीजेपी इसे तेजस्वी की नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े करने के लिए भुनाएंगे। दूसरा-पार्टी के पुराने नेता और कार्यकर्ता, जो पहले ही संजय यादव के 'सुपर पावर' से खिन्न बताए जाते हैं, अब खुलकर बगावती तेवर दिखा सकते हैं। दरअसल तेजस्वी को लेकर उनका परिवार ही उनके खिलाफ बंटा हुआ दिखे तो उनकी युवा छवि कमजोर पड़ सकती है। संजय यादव का बढ़ता दखल तेजस्वी के लिए दोहरी चुनौती है-एक तरफ परिवार की नाराजगी और दूसरी तरफ विरोधियों के हमले। दूसरे, अगर रोहिणी की कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं है तो फिर सोशल मीडिया पर यह सब डालने की जरूरत ही क्या थी? यदि समय रहते लालू प्रसाद यादव ने मामले को नहीं सुलझाया तो यह पारिवारिक विवाद गंभीर रूप धारण कर सकता है।

नजरिया

अजय कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आजम की चुप्पी से बढ़ा सियासी पारा

गौरतलब हो, आजम खान ने अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा के दौरान यह छाप बनाई है कि वह एक बेहद मजबूत, कट्टर और मुखर मुस्लिम नेता हैं। रामपुर से लेकर लखनऊ तक उनके भाषणों और उनकी पहचान हमेशा अल्पसंख्यक राजनीति से मजबूती से जुड़ती रही है। इसी वजह से जब भी मुस्लिम वोट बैंक को लामबंद करने की चर्चा होती है, तो आजम खान का नाम सबसे ऊपर आता है। मगर उत्तर प्रदेश की मौजूदा राजनीति में सपा की रणनीति मुस्लिम समेत अन्य जातियों को साथ लाकर सत्ता पर वापसी की है। भाजपा लगातार हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण कर रही है। ऐसे समीकरण में पार्टी के लिये आजम खान की कट्टर मुस्लिम नेता वाली छवि कहीं न कहीं चुनौती बन सकती है, क्योंकि भाजपा इस छवि को कठघरे में खड़ा कर गैर मुस्लिम वोटरों को अपने पास पूरी तरह खींचने की कोशिश करेगी। ऐसे में यह सवाल उठता है कि अब जेल से बाहर आये आजम खान अपनी राजनीति किस दिशा में ले जाते हैं। अगर समाजवादी पार्टी ने उनसे दूरी बना ली, तो उनके पास रणनीतिक तौर पर कौन-कौन से नए रास्ते बचते हैं।

कद्दावर नेता आजम खान 23 माह के बाद जेल से बाहर आ गये। रिहाई के बाद उन्होंने अभी तक मुंह नहीं खोला है, लेकिन आजम को लेकर राजनीति के गलियारों में कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। कोई उनके बहुजन समाज पार्टी के साथ तो कोई ओवैसी के साथ जाने की बात कह रहा है। उधर, समाजवादी पार्टी आजम की रिहाई पर मुखर होकर खुशियां नहीं मना रही है, इससे लगता है कि अब आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के लिए प्रासंगिक नहीं रह गये हैं। इसकी वजह भी है आजम एक कट्टर मुस्लिम नेता के रूप में अपनी पहचान रखते हैं। उधर, बीजेपी हिन्दू वोटरों को एकजुट करने में लगी है, ऐसे में आजम की कट्टर छवि के चलते उनको साथ लेने पर समाजवादी पार्टी को गैर मुस्लिम वोट बैंक छिड़कने की संभावना रहती है। इसी से बचने के लिये आजम खान से समाजवादी पार्टी थोड़ी दूरा बनाकर चल रही है।आजम खान के पास रिहाई के बाद सपा से दूरी बनाकर अपनी राजनीति चमकाने के और कौन कौन से विकल्प बचे है, इस पर बारीकी से नजर दौड़ाने पर जो तस्वीर उभर कर सामने आती है। वह कुछ इस प्रकार की हो सकती है।

करीब दो साल बाद आजम खान की रिहाई के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गयी है। तेईस महीनों तक जेल की सलाखों के पीछे रहकर बाहर आये आजम खान ने बाहर आते ही खामोशी अख्तियार कर रखी है। यह खामोशी अपने आप में बहुत गहरी है, क्योंकि एक ओर जहां उनके समर्थक यह इंतजार कर रहे हैं कि वह कोई राजनीतिक संकेत देंगे, वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी में उनके लिये ठंडी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी आजम की रिहाई पर कोई बड़ा बयान नहीं दिया, न ही पार्टी ने ढोल नगाड़ों के साथ इस अवसर को राजनीतिक उत्सव बनाया। इस स्थिति को देखकर यह सहज अंदाज लगाया जा सकता है कि आजम खान अब समाजवादी पार्टी की राजनीति में पहला विकल्प नहीं रह गये हैं।

गौरतलब हो, आजम खान ने अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा के दौरान यह छाप बनाई है कि वह एक बेहद मजबूत, कट्टर और मुखर मुस्लिम नेता हैं। रामपुर से लेकर लखनऊ तक उनके भाषणों और उनकी पहचान हमेशा अल्पसंख्यक राजनीति से मजबूती से जुड़ती रही है। इसी वजह से जब भी मुस्लिम वोट बैंक को लामबंद करने की चर्चा होती है, तो आजम खान का नाम सबसे ऊपर आता है। मगर उत्तर प्रदेश की मौजूदा राजनीति में सपा की रणनीति मुस्लिम समेत अन्य जातियों को साथ लाकर सत्ता पर वापसी की है। भाजपा लगातार हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण कर रही है। ऐसे समीकरण में पार्टी के लिये आजम खान की कट्टर मुस्लिम नेता वाली छवि कहीं न कहीं चुनौती बन सकती है, क्योंकि भाजपा इस छवि को कठघरे में खड़ा कर गैर मुस्लिम वोटरों को अपने पास पूरी तरह खींचने की कोशिश करेगी। ऐसे में यह सवाल उठता है कि अब जेल से बाहर आये आजम खान अपनी राजनीति किस दिशा में ले जाते हैं। अगर समाजवादी पार्टी ने उनसे दूरी बना ली, तो उनके पास रणनीतिक तौर पर कौन कौन से नए रास्ते बचते हैं।

सबसे पहला रास्ता बहुजन समाज पार्टी की ओर जाता दिखता है। बसपा की मौजूदा राजनीति मुस्लिम और दलित के गठजोड़ पर टिकी हुई है। मायावती लगातार इस फार्मूले को आगे रखने की कोशिश कर रही हैं। मगर बसपा के पास वह तेजतर्रार मुस्लिम चेहरा नहीं है जो आजम खान जैसे कद्दावर नेता की सियासी ताकत को दर्शा सके। ऐसे में यदि आजम मायावती के साथ कदम मिलाते हैं, तो बसपा को लाभ मिल सकता है और आजम को भी अल्पसंख्यकों के बीच अपनी जमीन मजबूत करने का प्लेटफार्म मिल जायेगा। दूसरा रास्ता असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन का है। ओवैसी ने उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत की राजनीति में मुसलमानों को अपने पक्ष में करने की लगातार कोशिश की है। मगर उनकी पार्टी अभी तक यहां बहुत बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाई है। अगर आजम खान जैसे नेता ओवैसी के साथ आते हैं, तो मुस्लिम राजनीति को एक नया स्वरूप मिल सकता है। रामपुर, मुरादाबाद, बरेली, सहारनपुर जैसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में यह गठजोड़ असर दिखा सकता है। हालांकि इसके साथ यह भी सच है कि अगर आजम खान पूरी तरह मुस्लिम राजनीति में केंद्रित हो जाते हैं, तो उन्हें व्यापक गठजोड़ का हिस्सा बनने से दूरी झेलनी पड़ सकती है।

तीसरा विकल्प यह है कि आजम खान अपनी अलग राजनीतिक पार्टी खड़ी करें। उत्तर प्रदेश में कई नेताओं ने यह रास्ता अपनाया है, लेकिन बहुत कम को सफलता मिली है। मुलायम सिंह यादव, कांशीराम और मायावती जैसे नेताओं ने अलग मंच लेकर बड़ा विस्तार किया, पर इसके लिये व्यापक जनाधार और संगठनात्मक क्षमता की ज़रूरत होती है। आजम खान के पास रामपुर और उसके आसपास प्रभावशाली जनाधार है, लेकिन पूरे प्रदेश में उन्हें एक व्यापक समर्थन खड़ा करने की चुनौती होगी। हालांकि अगर वह यह कदम उठाते हैं, तो यह मुस्लिम राजनीति के लिहाज से एक बड़े प्रयोग जैसा होगा। इसके अलावा चौथा मार्ग हुये गठबंधन की राजनीति हो सकता है। आजम न तो अकेले बसपा में शामिल हों, न ही ओवैसी की पार्टी में समा जायें, बल्कि इन सबके बीच गठजोड़ का सूत्रधार बनें। मुस्लिम राजनीति के दल और कुछ छोटे नेताओं को वे मिलाकर एक साझा मंच खड़ा कर सकते हैं। इस तरह वह न सिर्फ अपने भविष्य को सुरक्षित करेंगे, बल्कि प्रदेश की सत्ता समीकरणों में महत्वपूर्ण कारक भी बन सकते हैं। वहीं यह भी हो सकता है कि आजम खान सक्रिय राजनीति से दूरी बनाकर खुद को एक बड़े मार्गदर्शक की भूमिका में ढालें और अपने बेटे को राजनीति में स्थापित करें। आजम की उम्र अब उस पड़ाव पर है जहां लंबे संघर्ष के बाद एक वरिष्ठ नेता के रूप में वह अपनी परंपरा और अनुभव को युवा चेहरों तक पहुंचा सकते हैं। मगर आजम खान की अब तक की राजनीति को देखकर लगता है कि वह इतनी जल्दी राजनीतिक जीवन से संन्यास नहीं लेंगे। वैसे एक विकल्प कांग्रेस के साथ जाने का भी है, उसके साथ जाकर आजम इडिया गठबंधन के हिस्सेदार बन सकते हैं।

आजम की खामोशी, दरअसल बहुत कुछ बयां कर रही है। जेल से बाहर आने के बावजूद उन्होंने तुरंत कोई राजनीतिक बयान नहीं दिया। यह हो सकता है कि वह देखना चाह रहे हों कि समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव की तरफ से उन्हें किस तरह का संकेत मिलता है। अगर सपा लंबे समय तक खामोश रहती है, तो वह मजबूर होकर नया रास्ता तलाश सकते हैं। वर्तमान दौर में उत्तर प्रदेश की राजनीति मुख्यत: भाजपा और सपा के बीच सीमित होकर रह गयी है। मायावती की पार्टी कमजोर हुई है और कांग्रेस प्रभावहीन। ऐसे में आजम खान अपने विकल्पों को जिस दिशा में ले जायेंगे, वह सिर्फ उनकी ही राजनीति तय नहीं करेगी, बल्कि प्रदेश के चुनावी समीकरणों पर भी असर डालेगी। अगर वह सपा से दूर होकर नया रास्ता अपनाते हैं, तो भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठजोड़ की मजबूती या कमजोरी दोनों में उनकी भूमिका अहम रहेगी। फिलहाल, आजम खान की रणनीति इंतजार और नजर रखने वाली लग रही है। वह यह समझना चाह रहे हैं कि मौजूदा समय में कौन सा रास्ता उन्हें ज्यादा सियासी फायदा देगा और उन्हें उनकी पुरानी सियासी ताकत दिला सकता है। अगले कुछ महीनों में यह साफ हो जाएगा कि आजम खान किस राह पर चलेंगे, लेकिन इतना तय है कि उनकी मौन साधना ने प्रदेश की राजनीति को एक नई बेचैनी और चर्चा का विषय जरूर दे दिया है।

विश्व राजनीति

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

क्या खुद के चक्रव्यूह में उलझ चुका इस्लामी जगत

क़तर की राजधानी दोहा में हमास नेतृत्व को निशाना बनाकर 9 सितंबर को किए गए इज़राइली हवाई हमले के बाद पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है। सबसे अधिक आश्चर्य दुनिया को इस बात को लेकर है कि क़तर मध्य एशिया में अमेरिका का सबसे ख़ास सहयोगी देश है। क़तर के अमीर तमीम बिन हमाद अल थानी से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घनिष्टता का अंदाज़ा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अभी गत मई में ही क़तर के अमीर ने लगभग 400 मिलियन डालर अर्थात् लगभग 3,300 करोड़ रुपये का एक ऐसा बोइंग 747-8 लग्ज़री हवाई जहाज़ राष्ट्रपति ट्रंप को भेंट किया जो अमेरिका के वर्तमान एयर फ़ोर्स वन विमान के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा।

क़तर अमेरिका का इतना ख़ास है कि आज विश्व का सबसे बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा अल उदीद एयर बेस है जोकि क़तर की राजधानी दोहा से मात्र 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ 11,000 से भी ज़्यादा अमेरिकी सैनिक हर समय तैनात रहते हैं। यहीं अमेरिका का केंद्रीय कमांड भी है जिसके द्वारा वह इस पूरे क्षेत्र में सैन्य अभियान संचालित करता है। इसके अतिरिक्त अन्य कई सैन्य अड्डे इराक़, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात व कुवैत में भी हैं। इस तरह 18 मुस्लिम बहुल देशों में छोटे बड़े व अलग अलग सैन्य संचालन सुविधाओं से युक्त कई अमेरिकी सैन्य अड्डे मौजूद हैं। इन देशों में अमेरिकी सैन्य बेस का अर्थ है कि उन देशों को अमेरिका ने सैन्य सुरक्षा प्रदान की हुई है। और प्रायः ऐसे अधिकांश देश अपनी आंतरिक सुरक्षा का ढांचा तो ज़रूर रखते हैं परन्तु उनके पास पेशेवर सेना या सैन्य साज़ो सामान नहीं होते। इसी लिए 9 सितंबर को क़तर पर हुये हमले के बाद यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि विश्व का सबसे बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा अल उदीद एयर बेस दोहा में होने के बावजूद दोहा में ही इस्राईली सेना ने हवाई हमले का सहस कैसे किया? क्या इस्राईल ने अमेरिका की कोई परवाह नहीं की? या अमेरिका को इस हमले की पूर्व सूचना दे दी गयी थी?

अगर अमेरिका को इन हमलों का पता था तो उसने क़तर को समय पूर्व सूचित क्यों नहीं किया? और इन सबसे बड़ा सवाल यह कि यदि अमेरिकी एयर बेस होने के बावजूद अमेरिका क़तर की इसी तरह की सुरक्षा करेगा तो ऐसे सैन्य अड्डों का लाभ क्या? और इसी से निकलता इस वक़्त का सबसे अहम सवाल कि तो क्या क़तर सहित अमेरिकी सुरक्षा पर आश्रित सभी देशों को अपना 'सुरक्षा गार्ड' बदलने की ज़रुरत है? या फिर इस्लामी जगत की एकजुटता और संयुक्त सैन्य आत्मनिर्भरता ही अकेला रास्ता है जो मुस्लिम जगत को अमेरिकी - इस्राइली शिकंजे से मुक्त करा सकता है?

दरअसल 9 सितंबर को दोहा पर इस्राइली हमले के बाद गत 15 सितंबर को दोहा में अरब-इस्लामी शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसी शिखर सम्मेलन में मिस्र ने यह प्रस्ताव पेश किया कि नाटो की संयुक्त सेना की ही तर्ज़ पर इस्लामी देशों की एक ऐसी संयुक्त सेना यानी अरब यूनिफ़ाइड आर्मी का गठन किया जाये जिसमें सेना, वायुसेना और कमांडो इकाइयों का तालमेल, प्रशिक्षण और लॉजिस्टिक्स को एकीकृत किया जा सके। मिस्र के इस प्रस्ताव को ईरान, इराक़, सऊदी अरब, मोरक्को और अल्जीरिया जैसे देशों से समर्थन हासिल हुआ है। इस प्रस्तावित संयुक्त सेना का उद्देश्य यह है कि अगर किसी मुस्लिम देश पर हमला हो, तो सभी सदस्य मुस्लिम देश मिलकर जवाब दें। यह बल नौसेना, वायुसेना और ज़मीनी इकाइयों पर आधारित होगा, जिसमें कमांडो, आतंकवाद-रोधी और शांति रक्षा इकाइयां शामिल होंगी। इस तरह का प्रस्ताव कोई पहली बार नहीं आया है। बल्कि इससे पहले 2015 में भी मिस्र ही ऐसा प्रस्ताव ला चुका है परन्तु उस पर न कोई अमल हुआ न ही पुनर्विचार।

परन्तु अब इस्राईल द्वारा गाज़ा में किया जा रहा जनसंहार, उस पर अमेरिका सहित पूरी दुनिया की ख़ामोशी और इसी ख़तरनाक ख़ामोशी की आड़ में इस्राईल द्वारा मध्य एशिया में अपने पांव पसारते हुये अपने ग्रेटर इस्राईल नापाक मंसूबों पर तेज़ी से आगे बढ़ने की योजना ने इस्लामी जगत को यह सोचने के लिये बाध्य कर दिया है कि यदि उन्होंने अपने को यथाशीघ्र एकजुट नहीं किया तो कहीं ऐसा न हो कि आने वाले समय में एक एक कर सभी मुस्लिम राष्ट्रों को अमेरिका इस्राईली की ऐसी ही साज़िश का शिकार होना पड़े? दुनिया को इस चाल को भी समझने की ज़रुरत है कि पूरे विश्व में लोकतांत्रिक व्यवस्था की वकालत करने वाले अमेरिका को इस्लामी जगत के शाहों,बादशाहों व प्रिंस के शासन से कोई आपत्ति नहीं होती। इस पूरे कुचक्र का कारण यह है कि यह पूरा मध्य एशिया क्षेत्र तेल सम्पन्न इलाक़ा है और अमेरिकी इन तेल संसाधनों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपना नियंत्रण रखना चाहता है। अपने इसी उद्देश्य के तहत वह इस क्षेत्र में शिया वर्चस्व का भय दिखाकर ईरान के साथ अन्य अरब देशों को एकजुट भी नहीं होने देता।

परन्तु ईरान ने 1979 में हुई इस्लामी क्रांति के बाद तथा पहलवी शासन का अमेरिकी समर्थित राजतंत्र उखाड़ फेंकने के बाद न केवल अपने तेल भंडारों को अमेरिकी गिद्ध दृष्टि से सुरक्षित किया बल्कि स्वयं को शिक्षा,विज्ञान,शोध व सैन्य यहाँ तक कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी इतना मज़बूत किया कि पिछले दिनों दुनिया भर में अपनी आक्रामकता दिखने वाले इस्राईल को ईरान के सामने घुटने टेकने पड़े। यहाँ तक कि अपने ऊपर हुये अमेरिकी हवाई हमले का बदला लेकर भी ईरान ने यह साबित कर दिया कि ईरान अन्य अमेरिकी पिछलग्गू अर्ब देशों से बिल्कुल भिन्न सोच व नीति रखने वाला लोकतांत्रिक देश है। ईरान ने उन कठिन परिस्थितियों में स्वयं को इतना मज़बूत किया जबकि अमेरिका ने दशकों से ईरान पर अनेक प्रतिबंध लगा रखे हैं। ईरान ने यह साबित कर दिया है कि अमेरिकी चाटुकारिता या ख़ुशामद परस्ती नहीं बल्कि नेक नीयती, मानवता, शिक्षा, संस्कार, वैज्ञानिक शोध तथा इनसे आने वाली एकजुटता व आत्मनिर्भरता ही किसी भी देश को व उसके स्वाभिमान को बचा सकती है। अन्यथा क़तर की ही तरह अन्य आने वाले दिनों में अमेरिकी पिछलग्गुओं को भी ऐसे ही संकटों का सामना करना पड़ेगा। परस्पर विश्वास की कमी के साथ साथ वैसे भी दशकों से अमेरिकी पर आश्रित बना बैठा अधिकांश इस्लामी जगत स्वरचित चक्रव्यूह में ही इतना उलझ चुका है कि उससे निकल पाना आसान नज़र नहीं आता।

डॉक्टर गूगल से आगे, प्रोफ़ेसर व्हाट्सऐप

कटाक्ष

मालिनी गौतम

लेखक साहित्यकार हैं।

हमारे देश में डिग्रियों की कोई कमी नहीं है। कोई इंजीनियर है, कोई एमबीए है, कोई पीएचडी कर रहा है। पर असली डिग्री तो वही है जो मुफ़्त मिले, बिना इम्तिहान पास किए हाथ में आ जाए और हर सुबह मोबाइल की घंटी के साथ खुद ब खुद पढ़ाई शुरू हो जाए - जी हाँ, मैं बात कर रही हूँ व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी की।

इस यूनिवर्सिटी का सिलेबस बड़ा ही रंगीन है। सुबह 'गुड मॉर्निंग' के साथ सूरज, फूल और कॉफी का कप भेजने से ही क्लास शुरू हो जाती है। पहले पीरियड में ज्ञान मिलता है कि हल्दी वाला दूध पीने से कैंसर, डायबिटीज़, माइग्रेन, लोन और सास-बहू का झगड़ा सब ठीक हो जाएगा। दूसरे पीरियड में सूचना आती है कि आज रात 12 बजे से सूरज पश्चिम से उगेगा, इसलिए फोन चार्ज करके रखना।

यहाँ फैक्ट का कोई काम नहीं है। वैज्ञानिक रिसर्च भूल जाइए, यहाँ तो रिश्तेदार की बुआ के देवर के पड़ोसी ने जो कहा वही ब्रह्मज्ञान है। अगर किसी ने लिखा कि 'नारियल के पेड़ से वाई-फाई सिग्नल तेज़ होते हैं' तो तुरंत पूरा ग्रुप नारियल खरीदने निकल पड़ेगा।

सबसे कठिन विषय है - 'फ़ॉरवर्ड करो वरना दुर्भाग्य मिलेगा।' ये तो एक तरह का कंपल्सरी असाइनमेंट है। कौन जाने, किसकी हिम्मत होगी कि माँ लक्ष्मी वाली फोटो बिना फॉरवर्ड किए रोक ले? कहीं सच में वाई-फाई बंद हो गया तो? और जो लोग फॉरवर्ड नहीं करते, उनके लिए बाक़ायदा 'कमीने बैचमेट' वाली उपाधि तैयार है।

इस यूनिवर्सिटी का सबसे मज़बूत डिपार्टमेंट है - इतिहास संशोधन विभाग। वहाँ बताया जाता है कि हवाई जहाज़ राइट ब्रदर्स ने नहीं, हमारे परदादा जी ने उड़ाया था। और न्यूटन के सिर पर गिरने वाला सेब असल में अमरूद था, बस विदेशी लोग हमारी रिसर्च चुरा ले गए। कबीर के दोहे और चाणक्य के सूत्र तो यहाँ इतने एडिट हो चुके हैं कि खुद कबीर और चाणक्य भी पढ़ लें तो सोचें -'भाई, ये हमने कब कहा?' राजनीति शास्त्र का भी अलग मज़ा है। हर चुनाव से पहले अचानक नए 'प्रोफ़ेसर' पैदा हो जाते हैं। ये लोग बताने लगते हैं कि कौन नेता कितना ईमानदार है और किसका असली डीएनए किस विदेशी षड्यंत्र से जुड़ा है। उनके ज्ञान से संसद चलती हो न हो, ग्रुप चैट ज़रूर गर्म हो जाता है।

परीक्षा भी बड़ी आसान है ,बस जो भी मैसेज मिले, उस पर 'वाह! सच में?' लिखकर फॉरवर्ड कर दो। पास हो जाओगे। ग्रेडिंग सिस्टम भी मज़ेदार है , जितना ज़्यादा आप बिना पढ़े फॉरवर्ड करेंगे, उतनी ऊँची आपकी डिग्री। पीएचडी वालों के ग्रुप में तो इतना ज्ञान घूमता है कि धरती गोल नहीं, बल्कि चौकोर और फोल्डेबल साबित हो जाती है।

अब घर के बुज़ुर्ग इस यूनिवर्सिटी में सबसे मेधावी छात्र हैं। टीवी की ख़बरें भले ही झूठी लगें, लेकिन व्हाट्सऐप की हर बात शास्त्र से भी ज़्यादा पक्की लगती है। अगर आप कह दें कि 'ये खबर नकली है', तो उल्टा आपको ही कम पढ़ा-लिखा समझा जाएगा। माँ कहेंगी, 'तुम्हारी किताबों ने दिमाग़ खराब कर दिया है, ये देखो डॉक्टर शर्मा ने खुद मैसेज भेजा है - हल्दी वाला पानी पी लो, सब रोग भाग जाएगा!'

यहाँ डॉक्टरेट इन होम रेमेडीज़ नाम का कोर्स भी फ्री है। नींबू-शहद से लेकर राख-भस्म तक हर चीज़ हर बीमारी की दवा है। अलोपैथी, होम्योपैथी, आयुर्वेद सब एक साथ मिक्स हो जाते हैं - एकदम कॉकटेल थेरेपी।

और सबसे मज़ेदार है ब्रेकिंग न्यूज़ डिपार्टमेंट। कोई घटना टीवी पर आए उससे पहले ही व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी रिजल्ट घोषित कर देती है। भूकंप आया तो कारण भी बता दिया जाएगा , 'धरती माँ नाराज़ हैं क्योंकि आपने शुभ सन्देश फॉरवर्ड नहीं किया।'

मुझे लगता है कि सरकार को भी अब बाक़ायदा 'डब्ल्यू.यू. (W.U.) -बैचलर ऑफ़ फॉरवर्डिंग आर्ट्स' नाम की डिग्री जारी कर देनी चाहिए। रोज़ सुबह शाम की क्लास, हंसी-मज़ाक और अफ़वाह की प्रैक्टिकल लैब के साथ ये यूनिवर्सिटी किसी भी IIT, IIM से ज़्यादा पॉपुलर है।

आखिरकार, असली नतीजा यही है कि व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी में दाख़िला लेने के लिए किसी फ़ॉर्म की ज़रूरत नहीं। बस इंटरनेट रिचार्ज कर लो और डिग्री अपने आप मिल जाएगी। यहाँ न किताबें चाहिए, न नोट्स, न प्रैक्टिकल -बस अंगूठा तेज़ होना चाहिए फॉरवर्ड बटन पर।

तो साथियों, अगर असली कॉलेज से आपको डिग्री न मिले, चिंता मत कीजिए। व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी तो सबको खुली बाहों से अपनाती है। वहाँ हर दिन नए ज्ञान का स्नान है, और अफवाहों का पीएचडी तो जैसे सबके लिए मुफ़्त बोनस है।

असलियत यही है कि टीवी पर डिबेट देखकर आपका ब्लड प्रेशर ज़रूर बढ़ेगा, पर व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी का ज्ञान पढ़कर पेट पकड़-पकड़ कर हँसने का बढ़िया व्यायाम हो जाता है। और हँसी ही तो असली टॉनिक है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार है

खुल जा सिम-सिम

अलीबाबा जंगल से लकड़ियाँ इकठ्ठा कर रहा था कि उसने देखा कि डाकू सुल्तान अपने साथियों के साथ आया। उसके पास हट्टे कट्टे चालीस गधे भी थे। लूट का सामान वह इन्ही चालीस गधों पर लाद कर लाता था। परम्परागत इतिहासकार डाकू सुल्तान को महत्व देते हैं जबकि प्रगतिशील इतिहासकार चालीस गधों को। अगर चालीस गधे नहीं हों तो आज भी कोई सुल्तान नहीं बन सकता है। धीरे धीरे गधों ने भी यह बात जान ली कि वो हैं इसलिए सुल्तान हैं। जंगल के परिंदे चीखने लगे कि जागो गधों जागो। दुर्भाग्यवश गधों को जागने का मतलब नहीं मालूम था, वे ऊँघते हुए पहले की तरह सुल्तान के लिए मेहनत करते रहे। लेकिन सुल्तान को बहती हवा की समझ थी। उसने गधों की खुराक बढ़ा दी। हर चौथे पाँचवे दिन गुलाबजामुन की व्यवस्था भी की गई। किसी ने कहा कि इन्हें च्यवनप्राश भी खिलाओ लेकिन सुल्तान ने मना कर दिया। उसे पता था कि च्यवनप्राश से बुद्धि बढ़ती है। वो बोला जब ऊपर वाले ने इन्हें गधे बना कर ही भेजा हैं तो हमें उसके निर्णय का सम्मान करना चाहिए। सुल्तान ऊपर वाले को नहीं मानता था लेकिन इस्तेमाल जरूर करता था। इधर गधों को जीवन सार्थक लगने लगा और उन्होंने अपने खानदान के बाल गधों को भी सुल्तान के मिशन से जोड़ लिया। एक दिन सुल्तान ने कहा कि ये सारे गधे मेरा परिवार है। इनसे मेरा संबंध आज का नहीं बहुत पुराना है, खानदानी है। मैं बचपन में इनकी पीठ पर चढ़ कर खेला करता था। इनके सहयोग से अब हम बहुत ताकतवर हैं, गाँव कस्बे नहीं, नगर नहीं अब हम देश और दुनिया लूटेंगे। व्यवस्था ऐसी होगी कि हर गधे को उसमें तगड़ा हिस्सा मिलेगा। अगर कामयाब हुए तो हर गधे के गले में सोने का हार भी होगा । इसलिए गधों को मेहनत करने और जोखिम उठाने से कतई पीछे नहीं हटना है। गधे चिल्लाने लगे - सुल्तान ... सुल्तान ... सुल्तान ।

अलिबाबा नए जमाने का था और पढ़ालिखा भी । चाहता तो पुलिस रिपोर्ट करता, कोर्ट में याचिका लगता या विपक्ष को बताता। वह सुल्तान को समझता था, उसे पता था कि सुल्तान अपने भाइयों का भी हितैषी नहीं है । जिसके पास चालीस पीठ के पक्के गधे हों वह कुछ भी कर सकता था । वह जब भी मौका मिलता जंगल में सिम सिम का खेल देखता रहा, उसके मन में डर था। हमेशा की तरह सुल्तान भी गुफा के सामने जा कर खुल जा सिम सिम कहता और उसमें लूट को जमा करता रहा। छुपा अलीबाबा साँस रोके देखा करता।

दिन वर्ष गुजरते रहे, सुल्तान की सौलह संतानें हो गई। इनमें से बारह लड़के थे । गधा समाज खुश हुआ, उसे बारह सुल्तान मिल गए। समय आने पर बारहों ने इलाके को बारह वार्ड में बाँट लिया। अब हर वार्ड के पास अपना खुद का एक छोटा सुल्तान था और खुद के युवा गधे भी। इधर जनता जानती थी कि लुटेरे हैं । उन्होंने सोचा बारह लोगों से लुटने की अपेक्षा एक से लुटना बेहतर है, जैसे अपने एक निजी पति से रोज पीटे जाना सुखद है । परम्पराओं की सांसों को जीवन देने में सिम सिम स्त्रियों के योगदान को इतिहास स्वर्णक्षरों में लिखेगा यदि कभी लिखा गया। अम्बेडकर अगर होते तो सिम सिम स्त्रियों के लिए एक संविधान अलग से लिखते। स्टॉक में नहीं था इसलिए ईश्वर ने दूसरा अम्बेडकर नहीं दिया। खैर, अलीबाबा का क्या हुआ? ... तो बता दें वह अभी भी ओट में खड़ा हो कर सुलतानों को 'खुल जा सिम सिम' करते देख रहा है। वो बोल सकता है लेकिन चुप है।

56 वर्ष की यात्रा

राहुल सिंह परिहार

लेखक बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल में 'राष्ट्रीय सेवा योजना' मुक्त-इकाई के कार्यक्रम अधिकारी हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना: युवा चेतना और समाज सेवा का प्रखर संकल्प

एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) की असली पहचान उसके स्वयंसेवकों की कहानियों और उनके निस्वार्थ प्रयासों से बनती है। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि युवाओं की जीवनशैली और संस्कार है, जिसमें सेवा को सर्वोत्तम साधना माना गया है। इसका मूल ध्येय 'स्वयं से पहले आप (समाज)' हर स्वयंसेवक को आत्मसात कराता है। जब कोई युवा अपने समय, ऊर्जा और संवेदना का एक अंश निःस्वार्थ भाव से समाज के लिए समर्पित करता है, तभी रासेयो जीवंत होती है और उसकी वास्तविक चमक सामने आती है।

भारत भूमि सदा से युवा शक्ति की ऊर्जा और नवसृजन की साधना से आंदोलित रही है। जब-जब समय ने नई दिशाओं की माँग की, तब-तब युवाओं ने अपने उत्साह, त्याग और निष्ठा से राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। इसी युवा ऊर्जा को संगठित करने और उसे समाज सेवा के साथ जोड़ने के लिए रासेयो की स्थापना 24 सितंबर 1969 को महात्मा गांधी की जन्मशताब्दी पर हुई। गांधीजी का मानना था कि 'शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य समाज की सेवा है।' इसी विचार के आलोक में शिक्षा के तीसरे आयाम के विस्तार के अंतर्गत यह कार्यक्रम प्रारंभ किया गया ताकि युवा केवल पुस्तक ज्ञान तक सीमित न रहकर समाज की समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से देखें और उनके समाधान में भागीदार बनें।

रासेयो का वास्तविक सार उसके स्वयंसेवकों की उन कहानियों में छिपा है जो समाज में बदलाव की अलख जगाती हैं। उदाहरण के लिए भोपाल की ईश्वरनगर बस्ती में रासेयो स्वयंसेवकों ने चबूतरे पर दीया जलाकर साक्षरता क्लब की शुरुआत की। वहाँ की महिलाएँ, जो पहले घर की दहलीज़ पार करने से कतराती थीं, अब अख़बार पढ़ने लगीं और बच्चों की कॉपियाँ देखने लगीं। इन कक्षाओं से निकले बच्चे आज नवोदय विद्यालय और राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में पढ़ाई कर रहे हैं। यह छोटा-सा प्रयास न केवल शिक्षा का महत्व बढ़ाता है, बल्कि यह दिखाता है कि रासेयो के अनुभव स्वयं युवाओं और समाज दोनों के जीवन की दिशा बदल देते हैं।

इसी तरह भोपाल के समीप के ग्राम बड़झिरी की कहानी और भी प्रेरक है। यहाँ रासेयो शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर तालाब की सफाई, पौधारोपण और नालियों का निर्माण किया। इस अनुभव से गाँव का एक छोटा बच्चा इतना प्रभावित हुआ कि जीवन में उसने सेवा का मार्ग चुना। आगे चलकर वही बच्चा गाँव का सरपंच बना और आज उसी प्रेरणा से बड़झिरी मध्यप्रदेश का पहला डिजिटल ग्राम बना। यह प्रसंग यह साबित करता है कि रासेयो केवल किसी समय-सीमा वाली गतिविधि नहीं है, बल्कि यह जीवनभर के लिए प्रेरणा की धारा छोड़ जाती है।

रक्तदान की कहानियाँ भी इसी भाव को पुष्ट करती हैं। एक शिविर में रासेयो स्वयंसेवकों ने नियमित रक्तदान की पहल की। जब कभी किसी अस्पताल से आपातकालीन कॉल आती, तो स्वयंसेवक एक घंटे के भीतर रक्त पहुँचाते हैं। जब एक बच्ची की जान इस पहल से बची, तो उसके माता-पिता की आँखों से निकले आँसू और आभार ने स्वयंसेवकों को यह एहसास कराया कि उनका योगदान समाज के लिए कितना महत्वपूर्ण है। यह अनुभव उन्हें जीवनभर याद रहता है और यह भाव पनपता है कि 'रक्तदान–जीवनदान' केवल नारा नहीं बल्कि जीवन का एक मूल मंत्र है।

कोविड-19 महामारी के दौर में रासेयो का योगदान भी इतिहास में दर्ज होने योग्य है। जब पूरा समाज भय और अनिश्चितता से जूझ रहा था, तब रासेयो स्वयंसेवक मास्क और सेनेटाइज़र बाँट रहे थे, प्रवासी श्रमिकों को भोजन पहुँचा रहे थे, प्रशासन के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चला रहे थे और लोगों के मन में भरोसा जगा रहे थे। सड़कों पर भटकते प्रवासी मजदूरों को भोजन और पानी देना हो या स्क्रीनिंग और सहायता प्रदान करना, रासेयो स्वयंसेवकों ने संकट की घड़ी में मानवता और सेवा का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसने साबित कर दिया कि

युवा शक्ति सबसे कठिन समय में भी समाज को संभाल सकती है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी रासेयो इकाइयों ने ऐतिहासिक काम किए हैं। कई गाँवों में डिजिटल साक्षरता, आजीविका और स्वास्थ्य जागरूकता की कार्यशालाएँ लगाई गईं। इससे महिलाएँ आत्मनिर्भर बनीं और उनमें आत्मबल की नई परिभाषा गढ़ी। आज कई महिलाएँ छोटे व्यवसाय चला रही हैं और परिवार की आर्थिक रीढ़ बन चुकी हैं। रासेयो की यह पहल केवल प्रशिक्षण नहीं थी, बल्कि यह गाँव की महिलाओं के लिए आत्मसम्मान और गरिमा का नया अध्याय था।

वर्ष 2019 से जब रासेयो ने बाल संरक्षण पर काम करना शुरू किया तो यह केवल एक प्रयोग था लेकिन साल दर साल जब रासेयो युवाओं ने बच्चों को मजदूरी से बचाया, बाल विवाह रुकवाए और बाल तस्करी के गिरोहों को ध्वस्त कराया, तब यह छोटा सा प्रयोग, एक आन्दोलन बन गया। आगाज़ इंटर्नशिप ने इन स्वयंसेवकों के नवाचार और जमीनी प्रयासों को और बल दिया, परिणाम स्वरुप मध्यप्रदेश में रासेयो के अनिवार्य विषयों में आज बाल संरक्षण शामिल हो गया है और जो हजारो बच्चों के जीवन में रंग भरने का काम कर रहा है।

मतदाता जागरूकता अभियानों में भी रासेयो ने अपनी अमिट छाप छोड़ी है। 'मेरा वोट- मेरा अधिकार' जैसी रैलियों, नुक्कड़ नाटकों, चित्रकला प्रतियोगिताओं और ईवीएम/वीवीपेट डेमो के माध्यम से गाँव-गाँव और स्कूलों में लोकतंत्र का उत्सव मनाया गया। इससे न केवल लोगों की जागरूकता बढ़ी बल्कि मतदान प्रतिशत में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। रासेयो ने यह सिद्ध किया कि लोकतंत्र की जड़ें तभी मजबूत होंगी जब युवा समाज को जागरूक करने में अग्रणी भूमिका निभाएँगे।

आज के डिजिटल युग में रासेयो को और सशक्त बनाने के लिए 'माय भारत पोर्टल' का आगमन हुआ है। यह मंच युवाओं और डिजिटल भारत के बीच सेतु का काम करता है। एक रासेयो स्वयंसेवक अब अपनी सेवा कहानियाँ, नवाचार और गतिविधियाँ इस पोर्टल पर साझा करते हैं। इससे पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धा और नवाचार को बढ़ावा मिला है। स्वयंसेवकों को इंटर्नशिप, प्रशिक्षण, मेंटरशिप और रोजगार के अवसर मिलने लगे हैं। जो सेवाएँ पहले गाँव-गाँव तक सीमित थीं, वे अब डिजिटल पहचान के साथ राष्ट्रीय स्तर पर पहुँच रही हैं। इस संगम ने पारंपरिक सेवा और आधुनिक तकनीकी नवाचार को जोड़कर रासेयो की ऊर्जा को नई दिशा दी है।

हालाँकि इन सब सफल कहानियों के बीच चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। संसाधनों की कमी, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव और युवाओं की निरंतर रुचि बनाए रखने जैसी चुनौतियाँ हमेशा रही हैं। लेकिन उत्साही स्वयंसेवक हर बार इन बाधाओं को पार कर नए मार्ग निकालते हैं। यही कारण है कि रासेयो आज भी उतनी ही जीवंत है जितनी 1969 में अपनी स्थापना के समय थी।

56 वर्षों की अनवरत यात्रा में रासेयो ने यह स्थापित किया है कि यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि एक आंदोलन, जीवनशैली और जीवनदृष्टि है। यह युवाओं को सिखाती है कि शिक्षा का मूल्य केवल अंकों और प्रमाणपत्रों में नहीं, बल्कि समाज सेवा की शक्ति में है। यही कारण है कि रासेयो का प्रत्येक स्वयंसेवक सूक्ष्म स्तर पर समाज के ताने-बाने को मजबूत करता है और उसकी प्रेरणा गाँव की गलियों, स्कूल की घंटियों, अस्पताल की भगदड़ और लोकतंत्र के हर उत्सव में गूंजती है।

ईश्वरनगर की दीये से रोशन साक्षरता कक्षा, बड़झिरी का डिजिटल सपना, रक्तदान से बची बच्ची की मुस्कान, कोविड में राहत बाँटते स्वयंसेवक, बच्चों के चेहरों पर बिखरी मुस्कानें, महिला सशक्तिकरण की कार्यशालाएँ और मतदाता जागरूकता की रैलियाँ–ये सभी उदाहरण बताते हैं कि असल में उदाहरण रासेयो को बनाते हैं, न कि रासेयो केवल उदाहरणों का स्रोत है। हर अनुभव यह साबित करता है कि सेवा, जब युवा चेतना से जुड़ती है, तो वह समाज में स्थायी परिवर्तन का आधार बनती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सब राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस पर संकल्प लें कि 'सेवा परमो धर्मः' की भावना को सदा जीवित रखेंगे और 'स्वयं से पहले समाज' के आदर्श को जीवन का पथप्रदर्शक बनाएँगे। क्योंकि हर रासेयो स्वयंसेवक केवल गतिविधियों का हिस्सा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का नायक है और यही योजना उसका आधार है।

विचार पहल

विवेक कुमार साव

लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में शोधार्थी हैं।

ग्लोबल गांधी डॉट कॉम: गांधी विचारों का दीपस्तंभ

समाज में आर्थिक खाई और बे-इंसाफी इस कदर बढ़ी कि बड़ी संख्या में लोग बे-रोज़गारी, भूख और हक़ से महरूमी की आग में जल रहे हैं। दूसरी ओर प्रकृति की तबाही हर पल चीख-चीख कर हमें हमारी करतूत बता रही है। हम न सिर्फ मानवीय संकट से जूझ रहे हैं, बल्कि हक़ की राह से भटकने और सत्य के मार्ग से दूरी के उस गहरे अंधेरे में भी डूबते जा रहे हैं, जो हमें हलाकत (विनाश) की ओर ले जा रहा है। निश्चय ही, हमारा समय का पहिया अंधकार और विनाश की ओर लगातार बढ़ता जा रहा है, तब गांधी के विचार हमारे लिए प्रकाश की किरण बनकर उभरेगा। किंतु यह भी सत्य है कि विध्वंसकारी शक्तियाँ, जो सत्य और न्याय के शत्रु हैं, इन विचारों को इतिहास के गर्त में दफन करने को आतुर हैं (हालांकि यह इनके लिए संभव नहीं)। जब संसार पागल दौड़ के भँवर में फँसा है, गांधी का विचार सत्य की वह हुंकार है जो मानव को हक व इंसाफ की राह दिखला रहा है।

आज दुनिया उस भयावह दोराहे पर खड़ी है, जहाँ यूक्रेन से लेकर गाजा, नेपाल से बांग्लादेश तक, हर ओर हिंसा हो रही है, और इसका काला साया हर ओर मंडरा रहा है। कभी सियासत की आग में, तो कभी बे-लगाम ताकत के जुल्म में। समाज में आर्थिक खाई और बे-इंसाफी इस कदर बढ़ी कि बड़ी संख्या में लोग बे-रोज़गारी, भूख और हक़ से महरूमी की आग में जल रहे हैं। दूसरी ओर प्रकृति की तबाही हर पल चीख-चीख कर हमें हमारी करतूत बता रही है। हम न सिर्फ मानवीय संकट से जूझ रहे हैं, बल्कि हक़ की राह से भटकने और सत्य के मार्ग से दूरी के उस गहरे अंधेरे में भी डूबते जा रहे हैं, जो हमें हलाकत (विनाश) की ओर ले जा रहा है। निश्चय ही, हमारा समय का पहिया अंधकार और विनाश की ओर लगातार बढ़ता जा रहा है, तब गांधी के विचार हमारे लिए प्रकाश की किरण बनकर उभरेगा। किंतु यह भी सत्य है कि विध्वंसकारी शक्तियाँ, जो सत्य और न्याय के शत्रु हैं, इन विचारों को इतिहास के गर्त में दफन करने को आतुर हैं (हालांकि यह इनके लिए संभव नहीं)। जब संसार पागल दौड़ के भँवर में फँसा है, गांधी का विचार सत्य की वह हुंकार है जो मानव को हक व इंसाफ की राह दिखला रहा है। यह विचार न केवल बेहतर मार्ग प्रस्तुत करता आ रहा है, अपितु सही आदमी होने की तमीज सिखला रहा है। गांधी के सर्वोदय, सत्य, अहिंसा, प्रेम, निर्भयता आदि ये सिद्धांत आज ही नहीं, कल के तूफानों में भी दृढ़ दीपस्तंभ हैं।

कई साथी हैं जो इस दीपस्तंभ के लिए कार्य कर रहे हैं, विश्व के कोनों में बिखरे हैं चाहे वह गांधी कर्ता हों या संस्थाएं हों, मगर अफसोस! एकजुटता का अभाव है। कितने ही गांधी-कर्ता हैं, जो इस धरती पर हक़ और इंसाफ के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं और करते आ रहे हैं, मगर उनकी आवाज़ गुमनामी के अंधेरे में खोई हुई है। उनका ज्ञान, उनका काम, उनकी आवाज न तो नौजवानों तक पहुँच पा रहा है, न ही मुल्कों के सरबराहों (मुखिया) के कानों तक। ऐसे में ग्लोबल गांधी नेटवर्क का फर्ज़ सिर्फ़ बातचीत, सहयोग या सृजन तक नहीं; बल्कि उसका मकसद उससे कहीं आला है। सत्य, प्रेम और इंसानियत की उन आवाजों को, जो हक़ में जड़ें रखती हैं, इस भागती दौड़ती दुनिया को फिर से जगा कर, बुलंद करना है, ताकि सर्वोदय की राह पर चलने वालें लोग एक साथ आ पाए। यह मंच महज़ तकनीकी ढांचा नहीं, बल्कि सर्वोदयी मिशन है। इसका मकसद दुनिया को यह इल्म देना है कि तरक्की सिर्फ मुनाफे की चमक में नहीं, बल्कि जगत के समस्त इंसान, जानवर, पेड़-पौधे व जंगल आदि के कल्याण में है।

ग्लोबल गांधी ने अपनी वेबसाइट पर एआई के दौर के अनुरूप 'चैट विथ गांधी' नामक अनूठी पहल शुरू

की है। इस सुविधा के माध्यम से आप महात्मा गांधी से संबंधित किसी भी प्रश्न का उत्तर तुरंत प्राप्त कर सकते हैं, साथ ही प्रामाणिक जानकारी के लिए पुस्तकों का संदर्भ भी उपलब्ध रहता है। इस महत्वपूर्ण परियोजना को ग्लोबल गांधी की टीम ने साकार किया, जिसमें 'चैट विथ गांधी' का तकनीकी कार्य आईआईटी के प्रो. निशीथ ने किया। यह पहल आज के समय के हिसाब से न केवल जरूरी, बल्कि अत्यंत मूल्यवान भी है। 22 सितंबर, 2025 को ग्लोबल गांधी की वेबसाइट और 'चैट विथ गांधी' का शुभारंभ हुआ, जिसमें विश्व भर से लोग शामिल हुए। इस लॉन्च समारोह में प्रमुख रूप से दूरसंचार आविष्कारक सैम पित्रोदा, मैक्सिको से सोनिया देओतो, दक्षिण अफ्रीका से जय नायडू, कनाडा से विशाल शिवहरे, सेवाग्राम आश्रम से सीबी के जोसेफ, पूर्व कुलपति सुदर्शन आयंगार, डॉ. आर. ए. माशेलकर, वरिष्ठ पत्रकार रामदत्त त्रिपाठी, सहित कई गांधीकर्ता, गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें। इस अवसर पर बोलते हुए सैम पित्रोदा ने कहा कि विश्व, नेतृत्व और नैतिकता के संकट का सामना कर रहा है। गांधी के सत्य, अहिंसा और करुणा के मूल्य अतीत की वस्तुएं नहीं, बल्कि वर्तमान के लिए तत्काल आवश्यकता है। ग्लोबल गांधी नेटवर्क उनके संदेश को डिजिटल युग में लाएगा और युवाओं को सेवा व स्थिरता पर आधारित नेतृत्व की पुनर्कल्पना करने के लिए प्रेरित करेगा। यह लॉन्च गांधी की विरासत को 21वीं सदी में ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो यह पुनः पुष्टि करता है कि गांधी केवल भारत के नहीं, बल्कि पूरे विश्व के हैं।

ग्लोबल गांधी नेटवर्क की वेबसाइट में एआई गांधी चैटबॉट के साथ-साथ 'कनेक्ट' और 'कोलैबोरेट' जैसे फीचर्स भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 'इवेंट्स' सेक्शन आगामी कार्यक्रमों की जानकारी और पूर्व आयोजनों का विवरण प्रदान करता है। 'फैक्ट चेकर' सुविधा गांधी से संबंधित मिथकों को दूर कर सत्य व तथ्यों को सामने लाती है। साथ ही, 'गांधी गैलरी' और 'वीडियो चैनल' में चित्रों और महत्वपूर्ण वीडियो का संग्रह उपलब्ध है।ग्लोबल गांधी की वेबसाइट खोलते ही आपको इसके तीन प्रमुख खंड दिखाई देंगे; संस्थाएँ, विशेषज्ञ और कार्यकर्ता। भविष्य में इसका दायरा और अधिक विस्तृत होने की संभावना है, और इस दिशा में तेजी से कार्य चल रहा है। इस प्रकार, ग्लोबल गांधी नेटवर्क का यह प्रयास एआई के युग में ऐसी मशाल है, जो विश्व को सत्य, अहिंसा और सर्वोदय के पथ पर चलने के लिए मार्ग को सुगम बनाएगी।

वैज्ञानिक दृष्टि से विश्लेषण

गिरीश जोशी

संस्कृति अध्येता एवं अकादमिक प्रशासक

शक्ति का रहस्य और आज की उपासना

आद्यगुरु शंकराचार्य अपने जब गुरु आचार्य गौड़पाद से शिक्षा पूर्ण कर ली तब उन्हें गुरु ने आगे की काम के लिए काशी जाने के लिए कहा। काशी में आचार्य से अनेक मत-संप्रदाय के विद्वान ब्रम्ह ज्ञान के विषय में शास्त्रार्थ के लिए आने लगे। एक दिन आचार्य शंकर गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। मार्ग में उन्हें एक स्त्री अपने पति के शव को गोदी में रखकर विलाप करती हुई दिखाई पड़ी। ये स्त्री उनके मार्ग के बीच में कुछ इस तरह से बैठी हुई थी कि आचार्य का रास्ते में बाधा खड़ी हो रही थी। आचार्य ने जब उस स्त्री से मार्ग छोड़ने का नुरोध किया तब उस स्त्री ने कहा कि आचार्य आप तो ब्रह्मज्ञानी है। आप स्वयं इस शव को हट जाने के लिए कह दें। आचार्य ने अचंभित होकर उत्तर दिया - 'माँ ये शव स्वयं कैसे हट सकता है, इसमें अब शक्ति नहीं बची है।' तब उस स्त्री ने कहा - 'आप तो हमेशा ब्रह्म तत्व की महत्ता को ही स्थापित करते हैं, सर्वत्र केवल ब्रह्म ही है ये सब को बताते हैं फिर इस शव में भी तो ब्रम्ह है न फिर आपका ब्रह्म इस शव को क्यों नहीं हटा सकता।' तब आचार्य ने कहा- 'माँ इस शव को हटाने के लिए शक्ति की आवश्यकता है।' लेकिन इस इस उत्तर को देते देते अचानक आचार्य की तंद्रा भंग हुई। आचार्य को ध्यान में आ गया आदिशक्ति ने अपनी महत्ता का स्मरण करवाने के लिए ये लीला रची थी।

ऊर्जा और शक्ति का अंतर

इस प्रसंग से हमें शक्ति की महत्ता ध्यान में आती है जब परमात्मा ने इस सृष्टि की रचना की कल्पना की तब उसके तीन प्रमुख विषय सृजन, पालन और विसर्जन करने के लिए तीन प्रकार की ऊर्जा को प्रकट किया इन ऊर्जाओं को हम ब्रह्मा, विष्णु और महेश के नाम से जानते हैं। लेकिन केवल ऊर्जा से ही काम बनने वाला नहीं था प्रत्येक कार्य को करने के लिए ऊर्जा के अलावा शक्ति की भी आवश्यकता होती है। ईश्वरीय ऊर्जा से ही एक शक्ति उत्पन्न हुई जिसे हम आद्यशक्ति कहते हैं, उसे ही दुर्गा भी कहा जाता है।

शक्ति का उपयोग

आज के विज्ञान की भाषा में इसे समझने का प्रयास करें तो हम जानते हैं भाप की ऊर्जा का उपयोग कर जो शक्ति उत्पन्न होती है उससे इंजन चलाए जाते हैं। पानी के प्रवाह की ऊर्जा से जो शक्ति उत्पन्न होती है उसे हम बिजली कहते हैं। यही बिजली ताप की उर्जा से भी उत्पन्न होती है, यही बिजली परमाणु संयंत्र से निकलने वाली ऊर्जा से भी उत्पन्न होती है। इसी शक्ति का उपयोग कर हम अलग-अलग कार्य करते हैं जैसे बिजली की शक्ति का उपयोग कर प्रकाश उत्पन्न करते हैं, वस्तु को ठंडा गर्म करते हैं, वातावरण को ठंडागर्म करते हैं, अनेक मशीनों को चलाते हैं आदि आदि। बिजली शक्ति एक ही है लेकिन वह अलग अलग स्वरूप में अलग -अलग कार्यों को करती है। उसी तरह इस सृष्टि के संचालन के लिए ईश्वर ने अपनी उर्जा से जो शक्ति उत्पन्न की उस आदिशक्ति को तीन प्रकारों में व्यक्त किया। माँ सरस्वती, माँ लक्ष्मी एवं माँ काली के रूप में किया गया जो सृष्टि में क्रमशः सृजन, पालन और विसर्जन का कार्य करती है।

विज्ञान में शक्ति की गणना

आधुनिक विज्ञान में शक्ति की परिभाषा है - 'शक्ति की गणना कार्य करने में लगने वाले समय के आधार पर होती है यानि कार्य करने की दर को ही शक्ति कहा जाता है।' हमारे पौराणिक आख्यानों के माध्यम से सृष्टि के इस रहस्य को, इस विज्ञान को कहानियों के माध्यम से समझाने का प्रयास किया गया है। जैसे महिषासुर नाम की बहुआयामी दुष्ट शक्ति को नष्ट करने के लिए देवताओं ने आदिशक्ति दुर्गा को अपनी उर्जा से अलग-अलग शक्तियां प्रदान की। एक समय में अनेक काम करने की क्षमता केवल स्त्री के पास ही होती है। कार्यकरने की दर स्त्री के पास अधिक होती है इसीलिए उसे शक्तिस्वरूपा कहा जाता है । एक ही समय में अलग-अलग दिशाओं के अलग-अलग प्रकार के काम करने की नैसर्गिक क्षमता इस शक्तिस्वरूपा के पास ही होती है। महिषासुर के वध के लिए एक समय में आठों दिशाओं से आठ प्रकार के आक्रमण करने की आवश्यकता थी। इसलिए ये कार्य देवी दुर्गा को सौंपा गया।

रिसर्च में स्त्री शक्ति का प्रभाव

अभी हाल ही में एक रिसर्च हुई कि जब कोई महिला बच्चे को जन्म देने के पूर्व जो प्रसव वेदना सहन करती है उस प्रसव वेदना का अनुभव किसी पुरुष को करवाया जाए। उस रिसर्च के दौरान पुरुष उस वेदना का 10 प्रतिशत भी सहन न कर सके। इस रिसर्च से यह ध्यान में आया कि पुरुष के पास ऊर्जा तो होती है यानी वह बलवान हो सकता है लेकिन सहन करने की शक्ति, लंबे समय तक काम करने की शक्ति अधिक काम करने की शक्ति तो स्त्री का ही आभूषण है।

शास्त्रों में कहा गया-

'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः॥' अर्थात जहां स्त्री का सम्मान होता है वहाँ सृष्टि की सकारात्मक ऊर्जा रहती है। ऊर्जा और शक्ति एक दूसरे की पूरक है इसीलिए हमारे शास्त्रों में शिव और शक्ति के माध्यम से इस सिद्धांत को

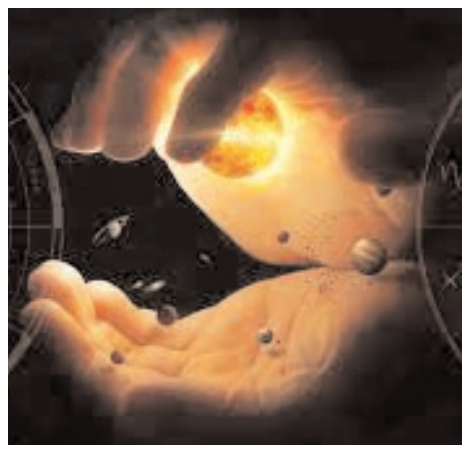

स्थापित किया गया।

शक्ति पीठों की वैज्ञानिक पृष्ठभूमि

पौराणिक कथा के अनुसार दक्ष प्रजापति के यज्ञ में भगवान शिव के अपमान से व्यथित होकर माँ पार्वती ने अपनी देह त्याग दी और भगवान शिव ने इस घटना से व्यथित होकर उनके शव को अपने कंधे पर रख कर तांडव किया। इस वजह से देवी का यानि शक्ति का एक- एक अंग पृथ्वी पर गिरता चला गया। उनके लगभग 52 अंग जिन स्थानों पर गिरे वो आज शक्तिपीठ के रूप में पूजे जाते हैं। इसको वैज्ञानिक रूप से समझने का प्रयास करें तो ध्यान में आता है ये यज्ञ लगभग वैसा ही था जैसे आज के परमाणु सयंत्र होते है। हमारे ऋषि मुनि परमाणु शक्ति के अनेक प्रकारों को जानते थे,उसकी सृजन शक्ति एवं सकारात्मक विकिरणों से भी परिचित थे। पौराणिक ग्रन्थों में दर्ज दिव्यास्त्र इसी तकनीक से संचालित होते थे।

शक्ति विभाजन की जरूरत व महत्व

यज्ञ से रचनात्मक तथा विधवन्सात्मक शक्ति उत्पन्न हुआ करती थी। यदि रचनात्मक शक्ति को भी ठीक तरह से विभक्त ना किया जाता तो वो सम्पूर्ण सृष्टि को नष्ट करने का सामर्थ्य रखती थी। जैसे आसमान में जब बिजली कड़कती है और किसी स्थान पर गिरती है तब उस स्थान पर सब नष्ट हो जाता है क्योंकि वहाँ लगभग दस करोड़ वॉल्ट का करंट एक ही झटके में गिर जाता है। पावर प्लांट से बिजली ग्रिड, ट्रांसफार्मर से होते हुए घर तक पहुँचती है तब उसमें 220 वॉल्ट का करंट होता है।

उसी तरह यज्ञ से उत्पन्न शक्ति को विभाजित करने के लिए सृष्टि की विसर्जन उर्जा ही आवश्यक थी। इसलिए कहा जाता है की भगवान शिव के माध्यम से इस शक्ति को 52 खंडों में विभाजित किया गया और ये 52 स्थान शक्ति के केंद्र बने। चूंकि ये रचनात्मक दिव्य शक्ति थी इसलिए इसकी विकिरण से सकारात्मक उत्सर्जित होती है।इसी वजह से इन शक्तिपीठों पर जाने से हमें आज भी सकारात्मक शक्ति प्राप्त होती है।

शक्ति संधान का अनुकूल समय

अपनी जीवन शक्ति को चलाएमान रखने, जीवंत रखने के लिए कालचक्र में कुछ ऐसे अवसर आते हैं जिसमें विशेष आराधना कर अपने जीवन ऊर्जा और शक्ति को बढ़ा सकते हैं। इस कालखंड को ही हमारे यहां नवरात्र की संज्ञा दी गई। ये कालखंड वर्ष में चार बार ऋतु परिवर्तन के संध्याकाल में चैत्र, आषाढ़, अश्विन तथा माघ माह में आता है। इन नौ दिन और रातों में हम अपने शरीर शुद्धि के लिए उपवास करते हैं और शक्ति का संधान करने के लिए आराधना करते हैं।

शक्ति की आराधना के लिए हम दुर्गा सप्तशती का पाठ, देवी के अनेक स्तोत्र,कवच, यज्ञ आदि करते हैं । इसके लिए मंत्रों का पाठ किया जाता है। पुणे के अंतरिक्ष अनुसन्धान केंद्र में शोध कर रहे डा. एस नारायण के अनुसार मंत्र का सीधा सम्बन्ध ध्वनि से है। ध्वनि प्रकाश, ताप, अणु-शक्ति, विद्युत -शक्ति की भांति एक प्रत्यक्ष शक्ति है। मन्त्रों में नियत अक्षरों का एक खास क्रम, लय और आवर्तिता से उपयोग होता है। इसमें प्रयुक्त शब्द का निश्चित भार, रूप, आकार, शक्ति, गुण और रंग होता हैं। एक निश्चित उर्जा, फ्रिक्वेन्सि और वेवलेंथ होती हैं। मंत्र से सूक्ष्म ऊर्जा-गुच्छ पैदा होते है जो शक्ति प्रदान करते हैं।

युगानुकुल शक्ति संधान

प्रत्येक युग में शक्ति अर्जन के लिए हमारे पूर्वजों ने एक सूत्र दिया है- 'त्रेतायां मंत्र-शक्तिश्च ज्ञानशक्तिः कृते-युगे। द्वापरे युद्ध-शक्तिश्च, संघशक्ति कलौ युगे।।' अर्थात् त्रेतायुग में शक्ति का संधान मंत्र के माध्यम से होता है। कृतयुग में ज्ञान के माध्यम से द्वापर में युद्ध के माध्यम से और कलयुग में मंत्र, ज्ञान तथा युद्ध तीनों का संगठित उपयोग कर शक्ति का संधान कर विध्वंसकारी वृत्तियों का संहार किया जा सकता है।

आज की बेटी

आज जब घर में बेटी का जन्म होता है तब हम प्रसन्न होकर कहते हैं हमारे घर लक्ष्मी आयी है। शक्ति को अत्यंत सावधानी से संभालने की जरूरत होती है।जैसे यदि हम बिजली के खुले तार को छू लें तो उसकी शक्ति का बड़ा झटका लगता है। शक्ति हमेशा से ही संवेदनशील होती है। आज उसे बल का दुरुपयोग कर पुरुष दूषित करने का प्रयास कर रहे हैं। इसलिए आवश्यक है कि बेटियों को उनके शक्ति स्वरूप का बोध करवाया जाए। दुष्टशक्ति से रक्षा करने लिए उसे शिक्षा, संस्कार, विवेक, विचार शक्ति, धर्म ज्ञान, आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट या कुंग फू जैसी विद्या, आत्मविश्वास, साहस जैसे अष्टास्त्रों से सज्ज करने की आवश्यकता है। इन अष्टास्त्रों का उपयोग आ जाने पर हमारी बेटियां किसी भी परिस्थिति में अनायास आने वाले महिषासुर, शुंभ-निशुंभ जैसे किसी भी रूप में आने वाले संकट से स्वयं की रक्षा कर सकेगी।

बेटों को शक्ति जतन के संस्कार

आज परिवार में माताओं को चाहिए की वे अपने पुत्रों को भी 'मातृवत परदारेषु' का संस्कार आवश्यक रूप से दे क्योंकि मातृत्व की भावना का विस्तार मनुष्य को देवत्व की ओर लेकर जाता है।इसके विपरीत मातृत्व भाव का संकुचन मनुष्य को पशुत्व की ओर ले जाता है।

आज के रक्तबीज

माँ काली और रक्तबीज के आख्यान को आज के परिपेक्ष में देखने का प्रयास करते है। आज विघटनकारी तत्व समाज में विद्वेष फैलाने के लिए, देश को तोड़ने के लिए दुर्विचारों को फैलाने का कार्य अलग - अलग प्रकार से करते हैं। इस प्रकार की वृत्ति ही आज का रक्तबीज है। जिस तरह माँ काली ने रक्तबीज के रक्त को जमीन पर गिरने नहीं दिया, अपने खप्पर में एकत्रित कर उसे पी गयी ठीक उसी तरह दुर्जनों के दुष्ट विचारों को फैलने से रोकना और अपने धर्म, ज्ञान, संस्कृति,परम्पराओं की जानकारी के खप्पर में उनको समेट कर अपने विचारों की स्पष्टता के अस्त्र से तथा समाज संगठन के शस्त्र से दुर्जनों की सोच व ताक़त को समाप्त करना आज की शक्ति उपासना है।

श्रद्धा सुमनः जमुना देवी

उमंग सिंघार
(कांग्रेस विधायक और नेता प्रतिपक्ष)

डेढ़ दशक बाद भी 'बुआ जी' को भुलाया नहीं जा सका

आज कांग्रेस की आदिवासी नेत्री जमुना देवी जी यानी हमारी 'बुआजी' को हमसे बिछड़े 15 साल हो गए। इन डेढ़ दशक के अंतराल में कांग्रेस और आदिवासी समाज की स्थितियों में बहुत कुछ बदलाव आया। लेकिन, हर बदलाव के दौर में 'बुआजी' की कमी हमेशा खलती रही। उनके बगैर आदिवासियों ने राजनीतिक और सामाजिक रूप से बहुत कुछ खोया, जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती।

जमुना देवी यानी बुआजी का नेतृत्व आदिवासी समाज के लिए ऐसी ताकत थी, जिनकी जगह कोई और नहीं ले सका। वे बहुमुखी, निडर और समाज के प्रति समर्पित व्यक्तित्व की धनी थी। उनका लगभग पूरा जीवन ही आदिवासियों और वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए समर्पित रहा। पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में उन्होंने राजनीति का ककहरा सीखा और उसे जीवन भर अपना आदर्श बनाकर रखा। उनका व्यक्तित्व आदिवासी नेतृत्व, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तिकरण का जीवंत प्रतीक था। उन्होंने अपने जीवन में अनेक बाधाओं के बावजूद अपने आदर्श और लोक सेवा के प्रति समर्पण में कभी कोई कमी नहीं आने दी। वे अपने बेबाक अंदाज, प्रखर नेतृत्व और वंचितों के अधिकारों की आवाज़के लिए मध्य प्रदेश के साथ देशभर में लोकप्रिय रहीं। प्रदेश के लोग उन्हें स्नेह से 'बुआजी' कहते थे। ये उनके प्रति स्नेह का प्रतीक था। बुआ जी व्यक्तित्व निडर, ईमानदार और दृढ़ संकल्प वाली नेता का था, जिन्होंने सामाजिक व राजनीतिक संघर्षों में हार नहीं मानी।

आदिवासी और पिछड़े वर्ग के अधिकारों के लिए उन्होंने लगातार संघर्ष किया और जनकल्याण के कई अहम पदों पर काम किया। उनका नेतृत्व वंचितों की आवाज़ के रूप में प्रखर था और वे अपने लक्ष्य से कभी पीछे नहीं हटीं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और आदिवासी समाज के स्थायी विकास के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए। आज आदिवासी समाज को जो अधिकार प्राप्त हैं, उसमें बुआजी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। याद किया जाए तो उनका पूरा जीवन आदिवासी उत्थान के संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने राजनीति में सक्रिय रहकर समाज को बेहतर बनाने का हरसंभव प्रयास किया। उनके नेतृत्व में जनजाति, पिछड़ा वर्ग और महिलाओं के कल्याण के लिए कई अहम काम हुए। आदिवासियों के अधिकारों के लिए उनकी भूमिका हमेशा ही महत्वपूर्ण रही।

बहुमुखी और कुशल नेतृत्व वाली बुआ जी ने विधायक, सांसद, मंत्री, उपमुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जैसे पदों पर कार्य करते हुए अपनी सफल नेतृत्व क्षमता और समर्पण दिखाया। वे आदिवासी समाज की सशक्त संरक्षक रही और पूरे राजनीतिक जीवन में उन्होंने जनजातीय वर्ग के कल्याण का कोई मौका नहीं छोड़ा और हमेशा अथक प्रयास किए। उनकी हिम्मत और जुझारूपन ने उन्हें कठिन समय में भी सही राह दिखाई और अपने राजनीतिक और सामाजिक कार्यों को जारी रखा। प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की प्रेरणा उनसे ही मिली। उन्होंने महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने और समाज में उनकी भागीदारी बढ़ाने की दिशा में विशेष काम किया।

अपनी इन विशेषताओं के जरिए जमुना देवी का व्यक्तित्व न केवल राजनीतिक क्षेत्र में बल्कि सामाजिक न्याय और आदिवासी उत्थान के क्षेत्र में भी एक प्रेरणादायक आदर्श था। बुआजी आदिवासियों की सिर्फ नेत्री ही नहीं, उनकी सत्य और निर्भीक आवाज़ भी थी, जिन्होंने अपने जीवन को जनजातीय समाज के उत्थान और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समर्पित किया। राजनीति में उनकी खास पहचान उनके निर्भीक और बेबाक अंदाज की वजह से थी, वे हमेशा जनजातीय और कमजोर वर्गों के पक्ष में मुखर रहीं।

उनके नेतृत्व में आदिवासियों के हितों की रक्षा के लिए जनजातीय सुविधाओं, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कई कार्य हुए। वे आदिवासियों के हितों की रक्षा के लिए, जनजातीय सुविधाएं बढ़ाने और शिक्षा के कार्यों के विस्तार में लगी रहीं। आज 15 साल बाद भी हमारा आदिवासी समाज उनके किए कार्यों का सुफल प्राप्त कर रहा है। उन्होंने 58 साल से अधिक समय तक समाज सेवा और कांग्रेस की राजनीति में योगदान दिया। 2010 में उनका निधन हो गया, पर उनके कार्य और आदर्श आज भी आदिवासियों के लिए प्रेरणा हैं। उनके भतीजे के रूप में उनकी कमी को महसूस करना मेरी व्यक्तिगत क्षति है। लेकिन, उनकी कमी को आदिवासी समुदाय भी उसी तरह महसूस करता है। क्योंकि, जमुना देवी जी जैसे चंद लोग होते हैं, जो सिर्फ समाज के उत्थान के लिए जन्म लेते हैं।

सारनी की दस नंबर यूनिट ने रचा इतिहास

200 दिन तक किया निर्बाध उत्पादन

बैतूल। सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की दस नंबर यूनिट ने एक बार फिर अपनी क्षमता और तकनीकी दक्षता का लोहा मनवाया है। सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की दस नंबर यूनिट ने इस वर्ष 5 मार्च से लगातार 200 दिन तक बिना रुके विद्युत उत्पादन कर एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि अभियंताओं और तकनीकी कर्मियों के अद्भुत समर्पण व मेहनत का परिणाम मानी जा रही है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई और एमपी पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मंजीत सिंह ने सारनी की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए अभियंताओं व तकनीकी स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगी। लगातार उत्पादन से साबित हुआ है कि सारनी न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश के थर्मल पावर सेक्टर में अपनी अलग पहचान रखती है। यूनिट नंबर 10 की निरंतर कार्यक्षमता ने यह दर्शा दिया है कि यहां का तकनीकी प्रबंधन और कार्यशैली किस तरह से राष्ट्रीय स्तर पर मिसाल बन सकती है।

प्रदेश को स्थिर आपूर्ति- दस नंबर यूनिट के 200 दिन के निर्बाध उत्पादन ने प्रदेश की बिजली आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह का सतत उत्पादन ऊर्जा संकट के दौर में उपभोक्ताओं, किसानों और उद्योगों के लिए राहत साबित होता है। यह उपलब्धि न केवल तकनीकी सफलता है बल्कि सारनी जैसे छोटे शहर की ऊर्जा नगरी वाली पहचान को भी और मजबूत करती है। यहां के हजारों कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों के लिए यह क्षण गर्व का है, जिसने प्रदेश की ऊर्जा क्षमता में ऐतिहासिक योगदान दिया है।

पिछले 12 वर्षों से रच रही इतिहास- सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की 250 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 10 की कमीशनिंग 18 अगस्त 2013 को हुई थी। पिछले बारह वर्षों में इस यूनिट ने विद्युत उत्पादन और ऑपरेशन के नए कीर्तिमान रचे। यूनिट नंबर 10 ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 305 दिन तक लगातार विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया था। वर्ष 2023-24 में इस यूनिट ने क्रमशः 170 व 200 दिनों तक लगातार विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान बनाया था। सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की यूनिट नंबर 10 ने जब 200 दिनों तक लगातार विद्युत उत्पादन करने में सफलता हासिल की तब यूनिट का प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर (पीएएफ) 98.34 फीसदी, प्लांट लोड फैक्टर 84.23 फीसदी व ऑक्जलरी कंजम्पशन 8.94 प्रतिशत रहा।

इनका कहना है

अधिकारी कर्मचारी के सहयोग से 200 दिन यूनिट क्रमांक 10 चली है, पिछले 4 साल में लगातार 200 दिन के ऊपर यूनिट चल रही है और सारनी से जो पलायन हो रहा था और बैतूल जिले के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा था। अब आज कैबिनेट में 660 मेगावाट को लेकर बजट पारित होने से सारनी के लोगों कोफर से रोजगार मिलेगा।

– एस. एन. सिंह, अतिरिक्त मुख्य अभियंता मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी सारनी

विधायक डॉ. पंडाग्रे के प्रयासों से मिली सारणी को 660 मेगावाट की मंजूरी

बैतूल। मोहन सरकार ने 660 मेगावाट क्षमता वाली नई इकाई को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दे दी। विद्युत नगरी सारणी में नई यूनिट लगने की संभावना प्रबल हो गई है। सारणी में 660 मेगावाट का प्लांट जिसकी अनुमानित लागत 11,678 करोड़ तय की गई है। नई इकाई को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद क्षेत्र में हर्ष व्याप्त हैं। भाजपा विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे के अथक प्रयासों से ही यह हो पाया है, जहाँ विपक्ष हर बार भाजपा सरकार और यहाँ के जनप्रतिनिधियों से यही सवाल करता कि आखिर कब आएगा

प्लांट, हमारे क्षेत्र के विधायक ने विपक्षी दलों का जैसे मुह ही बंद करा दिया। उन्होंने सारणी के जनता से यह वादा किया था कि सारणी मेरे दिल में बसता है, मैं इसे उजड़ने नही दूंगा और उनके निरंतर प्रयासों से ही यह हो पाया है। उन्होंने बाबा मठारदेव की नगरी को वापस चकाचौंध कर दिया है। नई यूनिट लगाने के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव से सारणी दौरे के अवसर पर मंच से यह बात रखी थी, विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने हरिभूमि से चर्चा में बताया कि नई इकाई स्थापित होने से सारणी में एक बार फिर रौनक लौट कर आएगी। उन्होंने 660 मेगावाट क्षमता वाली नई इकाई को कैबिनेट की मंजूरी दिए जाने पर मोहन सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं सारनी क्षेत्र की जनता को बधाई देता हूँ। नई इकाई की स्थापना होने और कोयला खदान के निर्माण का कार्य भी जल्द ही कंप्लीट होने से सारनी क्षेत्र के लोगों कोफर से रोजगार मिलेगा।

शक्तिगढ़ पंचायत में निर्माण कार्यों में अनियमितता का आरोप

फर्जी बिलों के नाम पर लाखों का गोलमाल

बैतूल। जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी की ग्राम पंचायत शक्तिगढ़ में भ्रष्टाचार की एक ऐसी तस्वीर जो शायद अभी तक की ग्राम पंचायतों में देखने को नहीं मिली। यहां सरपंच तो महिला है, परंतु इस पंचायत में सरपंच के पति की हुकूमत चलती है। विकास की अगर बात की जाए तो विकास इस ग्राम पंचायत में कोसों दूर है। विकास के नाम पर जमकर लूट की गई है। इस मामले में शक्ति गढ़ ग्राम पंचायत के वित्तीय अधिकार प्राप्त सचिव सहित उपयंत्री भी शामिल हैं, जिन्होंने ग्राम पंचायत के विकास को छोड़कर स्वयं के विकास की अहम भूमिका निभाई है। ग्राम पंचायत शक्तिगढ़ के ग्रामीणों ने पंचायत में हो रहे विकास कार्यों पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच पति राजेश मंडल द्वारा मनमाने तरीके से निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं जिसमें वित्तीय अधिकार प्राप्त सचिव, उपयंत्री भी मिले हैं। पूर्व में शक्तिगढ़ के सरपंच के विरुद्ध शिकायत सही पाए जाने पर सरपंच पर मध्यप्रदेश पंचायत राज ग्राम पंचायत स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 40 के तहत कार्रवाई का आदेश 3 जनवरी 2025 को पारित किया गया था। लेकिन करवाई नहीं हो पाई। इसके बाद भी सरपंच पति राजेश मंडल द्वारा ग्राम पंचायत में अनियमितता की गई है। एक और शासन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की योजना बना रहा वही यहां महिलाओं का हक उनके पति छीन रहे है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच पति ही ग्राम पंचायत चला रहा हैं। इस मामले को लेकर ग्रामीण नितीश मंडल, तपन मंडल, सुकेश ने जिला पंचायत सीईओ को लिखित शिकायत की है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच पति द्वारा अपने रिश्तेदारों से 10 से 20 प्रतिशत राशि लेकर काम करवाए जाते है। ग्राम पहाड़पुर का निवासी प्रणव दत्ता जो कि दत्ता इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म चलता है। दत्ता इंटरप्राइजेज के बिलों पर राशि आहरित की गई, जबकि दत्ता एंटरप्राइजेज के पर खनिज भंडारण के विक्रय की वैध अनुमति नहीं है। ग्राम शक्तिगढ़ के गांधी ग्राम की डगडगा नदी पर बनी पुलिया के स्टॉप डेम की कड़ी शटर निर्माण के नाम 2 जनवरी 2025 को दत्ता इंटरप्राइजेज के बिलों पर एक लाख सत्तर हजार रुपए आहरित की गई। जबकि शटर का निर्माण ही नहीं किया गया । प्रणब दत्ता (दत्ता इंटरप्राइजेज) के पास कोई भी वेल्डिंग मशीन दुकान नहीं है। ग्राम डगडगा में वर्ष 2023-24 में सांसद निधि के चौपाल की। एक लाख अस्सी हजार राशि आहरित हो गई। मौके पर मात्र आठ कालम खड़े किए गए है। ग्राम सभा में ग्रामीणों की आपत्ति लेने के बाद सरपंच पति द्वारा कार्य को प्रगतिरत बताया जा रहा हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस फर्जीवाड़े में उपयंत्री और ग्राम पंचायत सचिव की भी अहम भूमिका है। इन दोनों की सहमति के बिना राशि आहरित करना संभव नहीं है। जिनके द्वारा अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया जा रहा है। ग्राम पंचायत में निर्माण के नाम पर फर्जी बिल लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने जिला पंचायत प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

इनका कहना है

तीन सदस्यों की टीम द्वारा शक्तिगढ़ ग्राम पंचायत की जांच की जा रही हैं, जो अभी चल रही हैं। दत्ता एंटरप्राइजेज के बिलों की भी जांच चल रही हैं। अभी एई मेडम भी छुट्टी पर है। जांच पूरी हो जाए। जांच प्रतिवेदन जिला पंचायत भेजा जायेगा।

– तीजा पंवार, सीईओ, जनपद पंचायत

सेवा पर्व पखवाड़ा अंतर्गत चित्रकला कार्यशाला आयोजित

धार। सेवा पर्व पखवाड़ा अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के लिये शासकीय ललित कला महाविद्यालय धार द्वारा विकसित भारत संकल्पना पर केन्द्रित सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुखता से आयोजन किया जा रहा है। शासकीय ललित कला महाविद्यालय, धार के सभागार में 23 से 24 सितम्बर तक दो दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है ।

महाविद्यालय प्राचार्य ने बताया कि इस चित्रकला कार्यशाला में 50 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। इस कार्यशाला का मुख्य विषय विकसित भारत की संकल्पना था और कार्यशाला में विद्यार्थियों ने अपनी - अपनी कल्पना को साकार कर चित्र बनाये जिसमे किसी ने ऑपरेशन सिंदूर तो किसी ने बुलेट ट्रैन और धारा 370 आदि के कलात्मक चित्र बनाये। कार्यशाला में नवनीत लोकरे , दुर्गेश बिरथरे , प्रेम सिंह सिकरवार प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यशाला में प्रतिभागियों को दिये गये विषयों से अवगत कराया जिसमे उन्होंने रंग संयोजन, तकनीक आदि का प्रयोगात्मक प्रशिक्षण दिया । साथ ही उन्होंने बताया कि किस प्रकार विषय के अनुरूप चित्र किस प्रकार बनाये जाते हैं ।

इस अवसर पर प्राचार्य कांति तिर्की द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। उसके बाद प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को कला सामग्री प्रदान की। कार्यशाला के दौरान महाविद्यालय स्टाफ भूपेंद्र सिंह चौहान, नंदिनी खरमले, पवन टाकोलिया, गोपाल यादव भी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदन का प्राथमिकता से करें निराकरण : कलेक्टर

बैतूल। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में घोड़ाडोंगरी निवासी अबरार कुरैशी के आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नामांतरण आदेश को अमल कराने और संबंधित पटवारी के विरुद्ध के कार्यवाही करने के निर्देश तहसीलदार घोड़ाडोंगरी को दिए। ग्राम केरिया निवासी दिनेश सलाम ने भूमि प्रकरण में अंतिम आदेश शीघ्र जारी करने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने घोड़ाडोंगरी तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का निराकरण गंभीरता पूर्वक किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने सख्त निर्देशित किया कि आवेदक को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के लिए जिला मुख्यालय तक परेशान न होना पड़ें। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, अपर कलेक्टर ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

भूमि से अवैध कब्जा हटाने के दिए निर्देश- जनसुनवाई में तहसीलदार मुलताई निवासी खुशिया साहू ने कलेक्टर श्री सूर्यवंशी को अपनी भूमि के नक्शा सुधार के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एसडीएम से आवेदन के संबंध में जानकारी लीं और आवेदक से अपील करवाकर प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जनसुनवाई में घोड़ाडोंगरी के ग्राम खोकर निवासी बिंदुलाल ने अपनी भूमि पर अवैध अतिक्रमण किए जाने की समस्या बताई, जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तहसीलदार घोड़ाडोंगरी को तत्काल आवेदक की भूमि की नपाई करवाने और अतिक्रमण पाए जाने पर उसे हटाने के निर्देश दिए।

मुनिश्री विभंजन सागरजी ससंघ के सान्निध्य में ग्यारह दिवसीय प्रभु महा अर्चना का आयोजन प्रारंभ

आचार्य श्री विद्यानंदजी मुनिराज का समाधि दिवस मनाया

धार। दिगंबर जैन समाज धार में परम् पूज्य उपाध्याय मुनि श्री विभंजन सागरजी ससंघ के पावन सानिध्य में ग्यारह दिवसीय 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जिनेन्द्र भगवान की महाअर्चना कर ग्यारह दिन के मंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है प्रथम दिन भगवान शांतिनाथ मंडल विधान का आयोजन दिगंबर जैन महिला मंडल के तत्वावधान में किया गया। सोधर्म इंद्र बन कर पूजन करने का सौभाग्य संजय ममता गंगवाल परिवार को मिला। गुरुदेव के प्रवचन के पहले मंगलाचरण प्रगति दीदी ने प्रस्तुत किया ।आचार्यश्री के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलन व मुनि श्री के पाद प्रक्षालन महिलामंडल के सदस्यों ने किया ।तत्पश्चात मुनिश्री के प्रवचन हुए और परम् पूज्य आचार्य श्री विद्यानंद जी मुनि राज के समाधि दिवस पर उनके द्वारा जैन धर्म के प्रचार प्रसार पर किए गए कार्यो का गुणानुवाद किया।समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल ने बताया कि इसी क्रम मे द्वितीय दिवस पर भक्तामर मंडल विधान आयोजन के पुण्यार्जक गुरुभक्त वय्यावृत्ति ग्रुप रहेंगे। तृतीय दिवस पंच परमेष्ठी मंडल विधान के पुण्यार्जक सुभाष कुमार विमल जैन परिवार निवासी दिल्ली वाले रहेंगे। जानकारी मीडिया प्रभारी संजय गंगवाल द्वारा दी गई।

अग्रसेन जयंती पर रिमझिम बारिश में निकली अग्रवाल समाज धार की भव्य शोभायात्रा

फूलों से सुसज्जित रथ रहा आकर्षण का केन्द्र

धार। अग्रवाल समाज धार द्वारा महाराजा अग्रसेन की 5149वीं जयंती पर रिमझिम बारिश में शानदार शोभायात्रा निकाली। अग्रवाल समाज धार के तत्वाधान में आयोजित यात्रा अग्रसेन चौक से प्रारंभ हुई

शोभायात्रा में बैंड-बाजों के साथ महाराजा अग्रसेन को फूलों से सुसज्जित रथ पर सवार कर धार नगर के मुख्य मार्गो से निकाला गया जो नगर आकर्षण का केन्द्र रहा।पूरी शोभायात्रा मार्ग पर भव्य आतिशबाजी की गई । समाज के पुरुष सफेद कुर्ता-पजामा में चल रहे थे। लाल चुनरी पहने महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल हुई। युवक-युवतियों ने गरबा नृत्य किया। बैंड की मधुर धुनों ने माहौल को संगीतमय बना दिया।

यात्रा का धार शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए अग्रसेन चौक पहुंची। मार्ग में विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया वही समाजजनों ने महाराजा अग्रसेन एवं लक्ष्मी जी की प्रतिमा का पूजन अर्चना कर जगह जगह आशीर्वाद लिया,शोभायात्रा में समाज अध्यक्ष योगेश अग्रवाल, अग्रसेन जयंती महोत्सव समिति के संयोजक केशव अग्रवाल, सचिन आयुष सांघी,कोषाध्यक्ष विनय अग्रवाल, पुनीत अग्रवाल, क्रीड़ा मंत्री अनमोल अग्रवाल, उमंग अग्रवाल,जयेश सिंघल,मीडिया प्रभारी वैभव अग्रवाल,राहुल अग्रवाल,पत्रिका समिति के राजेश अग्रवाल,अंकित गोयल,सहित अग्रवाल समाज के बालक बालिका,महिलाए सहित संपूर्ण अग्रवाल समाज धार मौजूद था ।

संक्षिप्त समाचार

सांची में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने नमो वाटिका का किया शुभारंभ

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के सांची में वार्ड क्रमांक-1 स्थित ऐतिहासिक पुरनिया तालाब पर विकसित नमो वाटिका का केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शुभारंभ किया गया। उन्होंने वाटिका परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जल और पर्यावरण संरक्षण को लेकर केंद्र सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने स्थानीय महिलाओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी नियमित देखभाल करें, जिससे भावी पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण मिल सके। इस अवसर पर सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, पूर्व केबीनेट मंत्री रामपाल सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष श्री पप्पू रेवाराम, श्री राकेश शर्मा, स्थानीय जनप्रतिनिधि और सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। रायसेन जिले के ग्राम खरबई के निकट चिड़िया टोल परिसर में सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, पूर्व केबीनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह, कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डे, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया तथा डीएफओ श्रीमती प्रतिभा शुक्ला द्वारा भी पौधरोपण किया गया। इस पौधरोपण कार्यक्रम में 75 पौधे रोपित किए गए।

केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने रायसेन में पथ विक्रेताओं से किया संवाद

रायसेन (निप्र)। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रायसेन स्थित महामाया चौक पर आयोजित पथ विक्रेता संवाद कार्यक्रम में पथ विक्रेताओं से संवाद किया। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने पथ विक्रेताओं से कहा कि पथ विक्रेताओं के लिए शुरू की गई पीएम स्वनिधि योजना में प्रथम ऋण की सीमा बढ़ाकर अब 15 हजार रू कर दी गई है और द्वितीय ऋण की सीमा भी बढ़ाकर 25 हजार रू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पथ विक्रेता भाई-बहन इस योजना का लाभ लें तथा अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाएं। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने पथ विक्रेताओं से संवाद के दौरान उन्हें सरकार की अन्य योजनाओं का लाभ मिलने तथा व्यवसाय के बारे में भी जानकारी ली। इस अवसर पर सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, भोजपुर विधायक श्री सुरेन्द्र पटवा, पूर्व केबीनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह, रायसेन नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन तथा श्री राकेश शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़े में विवेकानंद घाट पर स्वच्छता अभियान का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर चल रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत गत दिवस विवेकानंद घाट पर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन श्री अरुण शर्मा तथा कार्यक्रम प्रभारी श्री डी एस डांगी, श्री अर्पित मालवीय के नेतृत्व में समस्त रेड क्रॉस के सदस्य के साथ किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर नर्मदापुरम श्रीमती बबीता राठौर ने स्वयं घाट पर उपस्थित होकर सफाई अभियान में भाग लिया तथा रेड क्रॉस के सदस्य डॉ अतुल सेठा, डॉ महेश्वरी, गौरव सेठ, विपिन जैन, शेरसिंह बड़कुर व समाजसेवी गण के एस राजपूत, सुभाष बरेले, रमेश उपरिया, आर के चौधरी, चंद्रशेखर शर्मा, डी के दीक्षित, विवेक वर्मा, रमेश उपरारिया, सागर पटेल, सूरज वर्मा, विशाल बावरिया, प्रीतम चक्रवर्ती, गणेश यादव, संजू प्रजापति सहित स्वयंसेवकों ने साथ मिलकर घाट की साफ-सफाई की। उन्होंने दुकानदारों एवं स्थानीय नागरिकों से अपील की कि स्वच्छता को आदत बनायें।

सेवा पखवाड़ा के तहत जिलेभर में आयोजित की गईं अनेक गतिविधियां

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जन भागीदारी, स्वच्छता, सेवा और जन कल्याणकारी कार्यक्रमों को व्यापक स्वरूप देने एवं नागरिकों में स्वच्छता, सेवा और सामुदायिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सीहोर जिले में सेवा पखवाड़ा अभियान संचालित किया जा रहा है। यह सेवा पखवाड़ा अभियान 02 अक्टूबर तक चलेगा। अभियान के तहत 21 सितंबर को जिलेभर में अनेक स्थानों पर स्वच्छता कार्यक्रम, पौधरोपण कार्यक्रम, स्वच्छता रैली, स्वच्छता शपथ, स्वच्छता सभा सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से ग्रामीणों के जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव

जनजातीय भाई-बहनों को मिल रहा शासन की योजनाओं का सीधा लाभ

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के मुख्य उद्देश्य की प्राप्ति के लिए चैतरफा प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा उक्त कार्यों की स्वयं निगरानी कर जनजातीय भाई-बहन शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ सीधे अपने गांव में ही प्राप्त कर सक रहें हैं। जिला प्रशासन का प्रयास है कि कोई भी हितग्राही योजनाओं के हितलाभों वंचित न रहे और सभी परिवार योजनाओं से लाभांवित हों। धरती आबा अभियान न केवल ग्रामीणों को उनके अधिकारों से जोड़ रहा है, बल्कि उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हो रहा है। शासन की जनहितैषी योजना धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जनजातीय वर्ग के हितग्राहियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम बना है।

आदिम जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक श्री सुनील मरकाम ने बताया कि इस अभियान के तहत जिले के चयनित 86 ग्रामों में 11 अगस्त से 14 अक्टूबर 2025 तक प्रतिदिन दो ग्रामों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक 56 ग्रामों में शिविर संपन्न हो चुके है।

इन शिविरों में 1169 हितग्राहियों को मौके पर लाभान्वित किया गया है वहीं ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ आवश्यक दस्तावेज भी बनाए गए। इन शिविरों की उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं जिसमें 205 हितग्राहियों के आधार कार्ड बने, 218 आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए, 89 जन्म प्रमाण-पत्र जारी किए गए, 277 हितग्राहियों की ई-केवाईसी की गई, 73 समग्र आईडी तैयार की गई, 307 जाति प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन प्राप्त हुए हैं। अभियान में शामिल ग्रामीणों ने संतोष और खुशी व्यक्त की। ग्राम लखूली की निवासी लाभान्वित हितग्राही श्रीमती ज्योति आदिवासी ने बताया कि पहले हमें दस्तावेज बनवाने के लिए शहर जाना पड़ता था, जिसमें समय और खर्च दोनों ज्यादा लगते थे। अब गांव में ही सुविधा मिल रही है, इससे हमें बहुत राहत मिली है। ग्राम मढिया पोनिया के श्री विनोद सहरिया ने कहा कि आधार कार्ड बनने से अब हमारे परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड बन गए है इससे पहले आयुष्मान कार्ड भी बन चुके है। जिनसे इलाज कराने में सहूलियत होगी। मास्टर करीम के आधार कार्ड का भी अपडेशन कार्य मौके पर हुआ है।

रायसेन में सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता कार्यक्रम में शामिल हुए केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री

रायसेन (निप्र)। सेवा पखवाड़ा के तहत रायसेन नगर के वार्ड क्रमांक-13 अवंतिका कालोनी में आयोजित स्वच्छता सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मंदिर में पूजा-अर्चना की गई तथा मंदिर परिसर में साफ-सफाई की गई। इस अवसर पर सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, भोजपुर विधायक श्री सुरेन्द्र पटवा, पूर्व केबीनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी श्रमदान कर साफ-सफाई की। स्वच्छता कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि वार्ड, नगर, प्रदेश और देश को साफ और स्वच्छ बनाए रखने के लिए जरूरी है कि सभी स्वच्छता को अपने स्वभाव में शामिल करें। हम अपने घर और आसपड़ोस में अपने वार्ड में स्वच्छता बनाए रखें। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि अपने वार्ड और शहर को साफ और स्वच्छ बनाए रखना ना केवल नगरीय निकाय की जिम्मेदारी है, बल्कि हर नागरिक की भी नैतिक जिम्मेदारी है और सभी को यह जिम्मेदारी निभानी चाहिए। साफ-स्वच्छ वातावरण न सिर्फ हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि हमारे जीवन में खुशहाली और समृद्धि भी लाता है। उन्होंने कहा कि आज इंदौर का नाम दुनिया में स्वच्छता के लिए जाना जाता है, रायसेन शहर भी स्वच्छता में आदर्श शहर बनें ! इसके लिए प्रत्येक नागरिक अपना योगदान दें। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने उपस्थित जनसमूह को संकल्प दिलाया कि हम स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहेंगे और हर साल 100 घण्टे यानि हर सप्ताह में दो घण्टे स्वच्छता के लिए श्रमदान करेंगे।

जिला अस्पताल का कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने किया औचक निरीक्षण, भीड़ प्रबन्धन के दिए सख्त निर्देश

अस्पताल परिसर में गार्डन डेवलप के कार्य में गति लिए

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने रविवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर यहां व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अस्पताल में वार्डो के अंदर भीड़ पाए जाने पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया और सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि बिना विजिटर पास के कोई भी व्यक्ति मेडिकल वार्डो में प्रवेश न करें। पास की जांच के लिए अधिकृत व्यक्ति नियुक्त किया जाएं। उन्होंने विभिन्न वार्ड प्रभारी नर्सिंग ऑफिसर को भी ताकीद किया कि विजिटर पास होने के उपरांत परिजन प्रवेश करे। ताकि वार्डो में भीड़ की स्थिति न बने तथा मरीजों और चिकित्सकों को भी असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान में स्वच्छता मानक अनुरूप नहीं पाई गई, जिस पर कलेक्टर साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल के सामने गार्डन डेवलप करने के पूर्व निर्देशों के बावजूद प्रगति दिखाई नहीं देने पर नाराजगी जाहिर की। सिविल सर्जन डॉ जगदीश ने घोरे ने बताया कि गार्डन डेवलप के निर्माण का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाएगा।

दिव्यांग अनीता का तत्काल बनवाया प्रमाण पत्र

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अस्पताल में लोगों से आत्मीय चर्चा कर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने एकलव्य आवासीय विद्यालय चिचोली की दिव्यांग छात्रा अनीता चौहान ने बताया कि उन्हें परीक्षा में लेखन सहायता के लिए प्रमाण पत्र की आवश्यकता हैं, जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी के निर्देश पर सिविल सर्जन डॉ घोरे ने तत्काल प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर कर छात्रा को दिया। इस दौरान एसडीएम श्री अभिजीत सिंह, सीएमओ श्री सतीश मत्सेनिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहें।

■ शुभारंभ कार्यक्रम में सीहोर से वीसी के माध्यम से शामिल हुए न्यायिक अधिकारीगण

न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने किया प्रतिपूर्ति और डिपॉजिट सिस्टम हेतु डैशबोर्ड का शुभारंभ

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष एवं सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत द्वारा नालसा, नई दिल्ली में मध्य प्रदेश न्यायपालिका के लिए मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) एवं क्लेमेंट प्रतिपूर्ति और डिपॉजिट सिस्टम हेतु डैशबोर्ड का शुभारंभ किया गया, जो मोटर दुर्घटना पीड़ितों के लिए मुआवजे की प्रक्रिया को गतिशीलता प्रदान करेगा और अधिक त्वरित एवं पारदर्शी बनाने मे सहायक सिद्ध होगा। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार यह डैशबोर्ड विकसित किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि ई-कोर्ट परियोजना के केंद्रीय परियोजना समन्वयक, या उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार (कंप्यूटर/आईटी), संबंधित राज्य सरकारों की सहायता से, एक केंद्रीय डिजिटल डैशबोर्ड बनाएं, जहां मोटर वाहन अधिनियम, 1988 और कर्मचारी (कामगार) मुआवजा अधिनियम, 1923 के तहत दिए गए मुआवजे के संबंध में जमा की गई राशि से संबंधित जानकारी नियमित रूप से अपलोड की जाएगी। इस शुभारंभ कार्यक्रम मे सीहोर जिले के न्यायिक अधिकारीगण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

शुभारंभ अवसर न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने कहा, कि यह प्लेटफॉर्म न्याय प्रदान करने की प्रक्रिया को तीव्र, सरल और आम नागरिकों के लिए अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक सार्थक कदम है। पहले से ही किसी दुर्घटना के दर्द से जूझ रहे परिवारों को उनका हक़ पाने के लिए देरी या जटिल प्रक्रियाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। मध्य प्रदेश की न्यायपालिका ने इस प्रणाली को शीघ्रता और प्रभावी ढंग से लागू करने में उल्लेखनीय प्रतिबद्धता दिखाई है। उनका कार्य अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करता है।

यह डैशबोर्ड बीमा कम्पनियों या जिम्मेदार पक्षों द्वारा मुआवजे का ऑनलाइन जमा, अनावश्यक दखलअंदाजी के बिना दावेदारों के बैंक खातों में धनराशि का सीधा हस्तांतरण, उपयोगकर्ता के अनुकूल डैशबोर्ड के माध्यम से जमा राशि और मामले की स्थिति की ट्रैकिंग आदि को संभव बनाएगा। इस एप्लिकेशन का शुभारंभ ई-कोर्ट परियोजना में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो न्यायपालिका के आधुनिकीकरण, सुगमता और भारत के नागरिकों को सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शित करता है।

सदर आईटीआई से गेंदा चौक तक चला अवैध होर्डिंग और सामग्री हटाने का अभियान

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार रविवार को नगर पालिका,पुलिस और राजस्व अमले की संयुक्त टीम ने नगर के मुख्य मार्ग पर अवैध होर्डिंग हटाने की कार्रवाई की। यह अभियान सदर शासकीय आईटीआई से गेंदा चौक तक चलाया गया। कार्यवाही के दौरान एसडीएम श्री अभिजीत सिंह भी मौके पर मौजूद रहे और पूरे अभियान की निगरानी की। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सतीश मत्सानिया ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के दौरान दुकानों के सामने लगे अवैध फ्लेक्स, सूचना बोर्ड और अन्य सामग्री को जेसीबी की सहायता से हटाया गया। इस दौरान दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई कि सड़क तक अतिक्रमण कर व्यापार न करें। उन्होंने कहा कि नगर का यातायात सुगम बनाने और नागरिकों को अवरोधमुक्त मार्ग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया है।

महिला शक्ति संकुल स्तरीय संगठन की साधारण सभा की बैठक में दिलाई स्वच्छता की शपथ

जनपद अध्यक्ष भूपेन्द्र चौकसे ने 290 स्व् सहायता समूह की महिलाओं को दिलाई स्वच्छता की शपथ जनपद पंचायत नर्मदापुरम में समूह की महिलाओं को सिंगल यूज प्लास्टिक की समझाईश देते हुये दिलाई स्वच्छता की शपथ

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम श्री सोजान सिंह रावत के नेतृत्व में जिले में स्वच्छंता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान 02 अक्टूसबर तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन स्वच्छता की गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान में जन प्रतिनिधियों की भागीदारी भी सुनिश्चित हो इसके लिये जिले के सभी जन प्रतिनिधियों को कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिये आमंत्रित किया जा रहा है। इसी तारतम्य में नर्मदापुरम जनपद पंचायत के अध्य्क्ष भूपेन्द्रे चौकसे, जनपद सदस्य मोहन गुबरेले जिला पंचायत से जिला समन्वयक प्रीति बरकड़े, की उपस्थित में स्वच्छता संवाद किया गया एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। जनपद पंचायत नर्मदापुरम के सभागृह में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत गठित आदर्श महिला शक्ति संकुल स्तरीय संघ की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया था।

महिला शक्ति संघ की लेखपाल सरिता बरेले द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में किए गए आय व्यय संबंधी दस्तावेजों को प्रस्तुत किया गया एवं वैधानिक ऑडिट रिपोर्ट को पढ़कर सुनाया गया महिला शक्ति सीएलएफ की अध्यक्ष दमयंती वर्मा के द्वारा संगठन द्वारा किए जाने वाले कार्यों एवं उसकी विस्तृत कार्य योजना पर प्रकाश डाला गया, साथ ही सीआरपीयों द्वारा अच्छा कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। साधारण सभा में जिला पंचायत से किशोर सिलधरिया जिला प्रबंधक सूक्ष्म वित्त के द्वारा उपस्थित महिलाओं को बैंक लेनदेन संबंधी एवं समय पर ऋण वापसी एवं शासन की विभिन्न बीमा योजना व वित्तीय साक्षरता संबंधी जानकारी दी तथा सुरेखा इसकप्पे जिला प्रबंधक मूल्यांकन व अनुश्रवण के द्वारा लोक ओएस पोर्टल संबंधी जानकारी दी गई।साधारण सभा में जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे ने कहा कि समूह से जुड़ी समस्त महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों में अपना पैसा लगाना चाहिए जिससे शासन की योजना का उद्देश्य पूर्ण हो सके। स्वच्छत भारत मिशन के ब्लाक समन्वयक रामकुमार गौर के द्वारा ठोस अपशिष्टक प्रबंधन पर चर्चा की गई एवं महिलाओं को समझाईश दी गई कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें एवं गीले एवं सूखे कचरे को अलग अलग करके इसका सही निपटान करें एवं समूह के माध्यमम से आप अन्य जगह भी स्वसच्छता के संबंध में सभी को समझाईश देते रहें। साधारण सभा में महिला आदर्श महिला शक्ति सीएलएफ से जुड़े 41 गांव के ग्राम संगठनों की कार्यकारिणी के सदस्य एवं पदाधिकारी जिसमें लगभग 290 महिलाओं सहित आजीविका मिशन के विकास खंड प्रबंधक दुर्गेश ठाकुर सहायक विकासखंड प्रबंधक एवं सीएलएफ के नोडल कैलाश कीर राजन केरकट्टा कविता पाठक सुश्री नीरज सिंह परिहार उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश के संसाधन और ताइवान की तकनीक उद्योग क्षेत्र में नई मिसाल करेंगे प्रस्तुत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से ताइवान के प्रतिनिधि मंडल ने निवेश अवसरों पर की चर्चा

ताइवान के साथ नई साझेदारी की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ताइवान की निर्माण तकनीक और मध्यप्रदेश की विशाल औद्योगिक तथा उपभोक्ता क्षमता मिलकर विकास, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित करेगी। सेमीकंडक्टर, पीसीबी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नवकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्र मध्यप्रदेश और ताइवान सहयोग के नए केंद्र बन रहे हैं। ताइवान की तकनीक और मध्यप्रदेश के संसाधन मिलकर वैश्विक स्तर पर दृढ़ और प्रतिस्पर्धी उद्योग विकसित कर सकते हैं। आने वाला समय दोनों पक्षों के लिए अनंत संभावनाएं ला रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ताइवानी निवेश को आकर्षित करने और सफल बनाने के लिए पूरी सुविधा, नीतिगत समर्थन और प्लग-एंड-प्ले अवसंरचना उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश और ताइवान के बीच व्यापार और निवेश अवसरों पर ताइवान व्यापार विकास परिषद और ताइवान आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के प्रतिनिधियों से मंत्रालय में चर्चा के दौरान यह बात कही। चर्चा में प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह सहित ताइवान विकास परिषद के डायरेक्टर जनरल श्री चुन यू चांग, सेकंड सेक्रेटरी श्री जिह शेंग वांग, ताइवान आर्थिक एवं सांस्कृति केन्द्र के निदेशक श्री विक लिन तथा ट्रेड प्रमोशन विशेषज्ञ सुश्री कीर्तन नांबियार शामिल हुईं।

औद्योगिक साझेदारी के साथ ही शिक्षा और सांस्कृतिक क्षेत्र में भी होगा आदान-प्रदान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप हम ताइवान के साथ एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में नए साझेदारी की ओर अग्रसर हो रहे हैं। ताइवान अपनी तकनीक और नवाचार में अग्रणी है और मध्यप्रदेश प्रचुर संसाधनों, कुशल मानव संसाधन और विभिन्न सेक्टर में अनंत संभावनाओं के साथ सहयोग का इच्छुक है। मध्यप्रदेश से ताइवान को मुख्य रूप से इलेक्ट्रानिक मशीनरी, फार्मास्युटिकल्स, रासायन तथा खाद्य पदार्थ निर्यात होते हैं, वहीं ताइवान से मध्यप्रदेश इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे, मशीनरी और सेमीकंडक्टर्स आयात करता है।

ताइवान के प्रतिनिधि मंडल द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में सक्रिय सहभागिता की गई। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर ने ताइवान के विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू किया है, जो शिक्षा, अनुसंधान, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और औद्योगिक साझेदारी को बढ़ावा देगा। मध्यप्रदेश अपनी भौगोलिक स्थिति, संसाधनों और उद्योग सहयोगी नीतियों के कारण ताइवानी निवेशकों के लिए एक आदर्श गंतव्य है। ताइवान और मध्यप्रदेश एक स्पष्ट रोडमैप तैयार कर निवेश बढ़ाने की दिशा में अग्रसर होंगे।

आज मुख्यमंत्री किसानों के खातों में 337 करोड़ की बोनस राशि करेंगे अंतरित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के धान उपार्जित करने वाले किसानों को बालाघाट जिले के तहसील मुख्यालय कटंगी से बड़ी सौगात देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा समर्थन मूल्य पर धान उपार्जित करने वाले किसानों के लिये प्रति हेक्टेयर 4 हजार रूपये बोनस देने की घोषणा की गई थी। इस घोषणा को अमल में लाने के लिये बालाघाट जिले के तहसील मुख्यालय कटंगी में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने वाले किसानों को बोनस वितरण के लिए राज्य स्तरीय कार्यक्रम बुधवार 24 सितम्बर को होगा। कृषि उपज मंडी प्रांगण में होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने वाले 6 लाख 69 हजार धान उत्पादक किसानों को 337 करोड़ 12 लाख रुपये की बोनस राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से उनके खातों में अंतरित करेंगे।

4315 युवाओं को प्रदान किए जाएंगे नियुक्ति पत्र- मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 4315 युवाओं को नियुक्ति-पत्र प्रदान करेंगे और बालाघाट जिले में 244 करोड़ रुपये की लागत के 75 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी करेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान-बंधु सहित युवा शामिल होंगे।

किडनी इन्फेक्शन के चलते 3 बच्चों की मौत

छिंदवाड़ा में 15 दिन से अचानक हो रही मौतें, 9 के सैंपल भेजे, केंद्र सरकार की टीम करेगी जांच

छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा में बीते 15 दिन में किडनी फेल होने से तीन बच्चों की मौत हो गई। 9 का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने आईसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) की टीम को जांच के लिए बुलाया है।

मामला परासिया विकासखंड का है। परिजन के मुताबिक, बच्चों को शुरुआत में हल्का बुखार और जुकाम की शिकायत हुई। निजी अस्पतालों में सामान्य इलाज के दौरान अचानक पेशाब की मात्रा कम होने और किडनी इन्फेक्शन की समस्या सामने आई।

हालत बिगड़ने पर बच्चों को नागपुर रेफर किया गया, जहां 5 साल 8 महीने के अदनान खान, 4 साल के हितांश सोनी और 2 साल की श्रेया यादव की मौत हो गई।

भोपाल से दो सदस्यीय टीम परासिया पहुंची, सैंपल लिए- भोपाल से स्वास्थ्य विभाग की दो सदस्यीय टीम भी परासिया पहुंची है। टीम के सदस्य तीन दिन तक इलाके में रहकर जांच करेंगे। सोमवार को अधिकारियों ने परासिया, न्यूटन चिकली और दूसरे गांवों का दौरा किया। मृतकों के परिजन से बातचीत कर जानकारी जुटाई। देर शाम कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने टीम के साथ मीटिंग की।

मां बोली- अदनान पहले कभी बीमार नहीं हुआ- अदनान ने 11 सितंबर जबकि हितांश सोनी ने 14 सितंबर को नागपुर के अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। वहीं, श्रेया की मौत 16 सितंबर को हुई।

अदनान की मां आफरीन परवीन ने कहा- इससे पहले कभी मेरे बेटे को बुखार तक नहीं आया था। इस बार जब हल्का बुखार आया तो उसे डॉक्टर के पास ले गए। दवा खाने के बाद वह स्वस्थ हो गया था। कुछ दिन बाद दोबारा बुखार आया और उसकी पेशाब बंद हो गई। हम उसे नागपुर ले गए लेकिन बचा नहीं पाए।

डॉक्टर ने कहा- रिपोर्ट आने के बाद ही सही कारण पता चलेगा- परासिया में अस्पताल चलाने वाले डॉ. प्रवीण सोनी ने कहा- बारिश का मौसम जाने वाला है जबकि सर्दी की शुरुआत हो रही है। ये समय संक्रमण के लिए संवेदनशील होता है। इस दौरान बच्चों में वायरल बुखार और जुकाम आम है, लेकिन अचानक किडनी इन्फेक्शन होना गंभीर मामला है। उन्होंने बताया कि सैंपल लैब भेजे गए हैं और रिपोर्ट आने के बाद ही सही कारण का पता चलेगा।

वहीं, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर अंकित सहलाम ने कहा- 5 साल तक के बच्चों की स्क्रीनिंग की जा रही है। सर्वे टीम घर-घर जाकर सैंपल ले रही है।

कलेक्टर बोले- अस्पताल की लापरवाही मिली तो सख्त एक्शन- कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने कहा कि अचानक किडनी इन्फेक्शन से बच्चों की मौत चिंताजनक है। आईसीएमआर की टीम दिल्ली से आकर रिसर्च करेगी। कारणों की पुष्टि होने के बाद निजी अस्पतालों की भूमिका भी जांची जाएगी। लापरवाही पाई गई तो सख्त कार्रवाई होगी।

बर्लिन मैराथन 6 घंटे 25 मिनट में पूरी की

55 की उम्र में 42.2 किमी दौड़ीं एवरेस्ट फतह करने वाली भोपाल की ज्योति

भोपाल (नप्र)। भोपाल की पर्वतारोही ज्योति रात्रे ने 55 साल की उम्र में माउंट एवरेस्ट फतह कर देश की सबसे उम्रदराज भारतीय महिला बनने का गौरव तो हासिल किया ही है साथ ही अब एक और उपलब्धि हासिल कर ली है।

ज्योति ने विश्व-प्रसिद्ध बीएमडब्ल्यू बर्लिन मैराथन 2025 को सफलतापूर्वक पूरा किया है। 21 सितंबर को

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में आयोजित मैराथन में करीब 55 हजार धावक शामिल हुए। ज्योति रात्रे ने 42.2 किलोमीटर की मैराथन 6 घंटे 25 मिनट में पूरी की। 55 वर्ष की आयु वर्ग में उनका स्थान 1011वां रहा।

ज्योति रात्रे पांच महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर तिरंगा लहरा चुकी हैं, जिनमें दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट भी शामिल है। अब बर्लिन मैराथन को सफलतापूर्वक पूरा कर उन्होंने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि जज्बा और मेहनत से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं।

विकसित भारत का संकल्प पूरा करने में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका : जल संसाधन मंत्री सिलावट

भारत रत्न सर श्री विश्वेश्वरैया की प्रतिमा का किया अनावरण

भोपाल (नप्र)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत रत्न सर श्री मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया विलक्षण प्रतिभा के धनी, दूरदृष्टा और अत्यंत कुशल अभियंता थे, जिन्होंने संघर्षों के बीच कार्य करते हुए उत्कृष्ट अभियांत्रिकी के मानदण्डों को स्थापित किया। उनसे प्रेरणा लेकर सभी अभियंता पूरी निष्ठा, भाव और समर्पण के साथ देश के विकास में अपना पूरा योगदान दें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जल अभियांत्रिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहा है। जल संरक्षण में देश में प्रदेश अव्वल है।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट मंगलवार को प्रमुख अभियंता जल संसाधन कार्यालय परिसर में सर श्री मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर प्रतिवर्ष उत्कृष्ट कार्य करने वाले 5 अभियंताओं को सम्मानित करने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभियंता एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि सर श्री विश्वेश्वरैया की कर्मठता, विद्वता, कौशल और समर्पण ने आधुनिक भारत के निर्माण की मजबूत नींव रखी। उनके द्वारा अभियांत्रिकी क्षेत्र में किये गये कार्य भविष्य में भी अभियंताओं के लिये प्रेरणा-स्रोत रहेंगे। जल प्रबंधन के क्षेत्र में उनका कार्य अद्वितीय है। आज उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया है, जो हमें निरंतर उनके कार्यों की याद दिलाती रहेगी। वे भारत के गौरव थे, आज उन्हें पूरा विश्व याद करता है।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जल संसाधन, जल प्रबंधन और जल संरक्षण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हो रहा है। प्रदेश में 3 बड़ी परियोजनाओं केन-बेतवा, पार्वती-कालीसिंध-चंबल और तापी मेगा रीचॉर्ज पर कार्य हो रहा है। ये परियोजनाएँ पूरे प्रदेश की तस्वीर बदल देंगी। प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर लगभग 52 लाख हेक्टेयर हो गया है। अगले वर्ष तक इसे 65 लाख हेक्टेयर और वर्ष 2027 तक 100 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है। राजगढ़ जिले की मोहनपुरा-कुण्डालिया परियोजना जल संरक्षण की विलक्षण परियोजना है। गत दिनों प्रदेश में चलाया गया 'जल गंगा संवर्धन अभियान' अत्यंत सफल रहा। 'एक पेड़ माँ के नाम' पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण अभियान है। हर खेत तक पानी पहुँचाना हमारा संकल्प है। भारत की आत्मा गाँव में बसती है और सिंचाई का रकबा बढ़ने से गाँव समृद्ध होंगे और देश भी समृद्ध होगा।

अभियंताओं को किया सम्मानित- जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने विभाग के पूर्व और वर्तमान अभियंताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रमुख अभियंता श्री विनोद कुमार देवड़ा, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता श्री राजीव शुकलेकर, श्री आर.के. तिवारी, श्री एम.एस. डाबर, श्री भरत गोस्वामी ने भी संबोधन दिया।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्र कवि दिनकर की जयंती पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पद्मभूषण से सम्मानित महान साहित्यकार, राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उनकी कालजई कृतियां, राष्ट्र-धर्म और संस्कृति की अनवरत सेवा के लिए जन-जन को प्रेरणा देती रहेंगी।

रेलवे स्टेशन पर दुधमुंहे बच्चे को छोड़ भागी मां, पिता बोला- अब इसे नहीं रखूंगा

उमरिया (नप्र)। नवरात्रि के चलते जिले के रेलवे स्टेशन पर देर रात चौंकाने वाला नजारा सामने आया। प्लेटफार्म नंबर 1 पर यात्रियों और जीआरपी की नजरें उस वक्त ठहर गईं जब 8 माह का मासूम अकेला रोता हुआ मिला। बच्चे को देखकर यात्रियों ने तुरंत जीआरपी को सूचना दी।

जीआरपी ने मासूम को निगरानी में लिया- जीआरपी ने मासूम को अपनी निगरानी में लिया और सुरक्षित जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसकी जांच की और महिला एवं बाल विकास विभाग को सूचना दी। विभागीय अधिकारी ने अस्पताल पहुंचकर बच्चे की सुपुर्दगी ली और उसकी देखरेख शुरू करवाई।

परिजन का पता चला- कुछ घंटों की खोजबीन के बाद जीआरपी ने बच्चे के परिजनों को ट्रेस कर लिया और बाल कल्याण समिति के सामने पेश किया। मासूम का पिता सुनील रैदास, जो बड़वार गांव का रहने वाला है, अस्पताल पहुंचा और पूरी घटना की जानकारी दी।

पिता का गंभीर आरोप, अब नहीं रखूंगा पत्नी को- सुनील ने बताया कि पत्नी सुनैना इलाज कराने के बहाने घर से निकली थी। रास्ते में वह ब्यूटी पार्लर भी गई और फिर कटनी चली गई। इसके बाद मासूम को उमरिया स्टेशन पर छोड़कर खुद गायब हो गई। सुनील का आरोप है कि उसकी पत्नी ने बच्चे को 50 हजार रुपए में बेचने की कोशिश भी की है। उसने कहा कि यह पहली बार नहीं है, पत्नी पहले भी 6-7 माह की बच्ची को छोड़कर भाग चुकी है और कुछ महीनों बाद वापस लौटी थी। सुनील का कहना है कि अब वह पत्नी को नहीं रखेगा और खुद ही बच्चे का पालन-पोषण करेगा। उसने बताया कि उसके पास बच्चे का जन्म प्रमाणपत्र और फोटो जैसे सभी सबूत मौजूद हैं।

मप्र में सिविल जज भर्ती में अनुभव की शर्त खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 3 साल एक्सपीरियंस, 70 प्रतिशत मार्क्स जरूरी नहीं, हाईकोर्ट का आदेश रद्द

भोपाल (नप्र)। सुप्रीम कोर्ट ने सिविल जज भर्ती परीक्षा 2022 को लेकर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के एक फैसले पर मंगलवार को रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा सिविल जज, जूनियर डिवीजन (प्रवेश स्तर) भर्ती-2022 की प्रक्रिया पूर्व के भर्ती नियमों के अनुसार की जाए।

बता दें, मप्र हाईकोर्ट ने 13 जून, 2024 को एक आदेश में उम्मीदवारों के पास वकील के रूप में लगातार 3 वर्षों का अनुभव या उत्कृष्ट लॉ ग्रेजुएट होना, सामान्य और ओबीसी के लिए 70 प्रतिशत और एससी/एसटी के लिए 50 प्रतिशत मार्क्स अनिवार्य कर दिए थे। हाईकोर्ट ने उन उम्मीदवारों को बाहर करने का निर्देश दिया गया था, जिन्होंने सिविल जज, जूनियर डिवीजन (प्रवेश स्तर) भर्ती परीक्षा, 2022 की प्रारंभिक परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की थी। हालांकि, संशोधित भर्ती नियमों को पूरा करने में अयोग्य पाए गए।

मुबारकपुर ब्रिज पर हादसा : आमने-सामने भिड़ीं दो गाड़ियां, चार लोग घायल

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में मंगलवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। गांधीनगर एयरपोर्ट रोड पर मुबारकपुर ब्रिज के ऊपर दो चारपहिया वाहन तेज रफ्तार में आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों गाड़ियों के आगे के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

इस हादसे में कुल चार लोग घायल हुए हैं। इनमें से तीन लोग आइशर वाहन में सवार थे, जबकि एक घायल दूसरी कार से है। सभी घायलों को मौके पर मौजूद लोगों और 108 एम्बुलेंस की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

परवलिया थाना प्रभारी रोहित नागर ने बताया कि हादसा मंगलवार दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे हुआ। दोनों वाहन गांधीनगर की ओर से आ और जा रहे थे। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि टक्कर किसकी लापरवाही से हुई, लेकिन प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार को कारण माना जा रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भेजा गया है। आइशर वाहन में घायल तीन लोगों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि दूसरी गाड़ी के घायल को हमीदिया अस्पताल भेजा गया है।हादसे के बाद कुछ समय के लिए ब्रिज पर जाम की स्थिति भी बन गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात बहाल कराया। थाना प्रभारी रोहित नागर ने बताया कि घायलों के नाम-पते और दोनों वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस टक्कर के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

दिव्यांगजन मानव अधिकार संरक्षण में सांकेतिक भाषा सहायक : मंत्री श्री कुशवाहा

भोपाल(नप्र)। सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा ने कहा है कि 'सांकेतिक भाषा मानव अधिकारों के संरक्षण में सहायक होती है।' उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन में दिव्य शक्तियां विद्यमान हैं, केवल उन्हें अवसर की आवश्यकता है। मंत्री श्री कुशवाहा सामाजिक न्याय विभाग के सभागार में राज्य स्तरीय सांकेतिक भाषा दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री कुशवाहा ने कहा कि दिव्यांगजन अधिकार संरक्षण के लिए राज्य से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास जारी हैं, इसी कड़ी में यूनाइटेड नेशन द्वारा 2017 में 23 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी दिन प्रति वर्ष सांकेतिक भाषा दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में सामाजिक न्याय विभाग सांकेतिक भाषा को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से साइन लेंग्वेज पर कार्य किया जा रहा है। जो संस्थाएं इस क्षेत्र में काम कर रही हैं, उन्हें केंद्र और राज्य सरकार द्वारा आर्थिक अनुदान के साथ अन्य सहयोग प्रदान

किया जा रहा हैं। मध्यप्रदेश में डेफ केन फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के समृद्ध भारत के सपने को साकार बनाने में दिव्यांगजन की भागीदारी भी आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 'विकलांगता' के स्थान पर 'दिव्यांगता' शब्द दिया गया है। इसका आशय है कि दिव्यांगजन में देवीय-कृपा से दिव्य शक्तियाँ हैं। यह वर्ग खेलकूद से लेकर हर क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि डेफ फाउंडेशन द्वारा मूकबधिर वर्ग को दो और चार पहिया वाहनों के ड्राइविंग लाइसेंस बनाने तथा मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम की पुस्तकों की ब्रेनलिपि में बनाने की माँग पर शासन स्तर पर शीघ्र विचार किया जायेगा।

विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने कहा कि दिव्यांगजन में प्रतिभा की कमी नहीं है, वह हम सब की तरह सामान्य जीवन जी सकते है। मूकबधिर होने की स्थिति में अपनी भावनाऐं शब्दों से नहीं सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते है। चिकित्सा के क्षेत्र में नये अविष्कार और खोज से अब इनका इलाज संभव हो पा रहा है। यह सुखद समाचार है। परशुराम बोर्ड के अध्यक्ष पं. विष्णु राजौरिया ने कहा कि सांकेतिक भाषा, मूकबधिर जन के लिये संजीवनी है। उन्होंने कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाली संस्थाओं के बच्चों और प्रशिक्षकों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में डेफ केन फाउंडेशन की श्रीमती प्रीति सोनी द्वारा तैयार किया गीत, अशासकीय संस्था माधुरी आयाम, अशासकीय संस्था उमंग गौरव दीप और आशा निकेतन के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। साथ ही बच्चों को स्मृति चिंह देकर प्रोत्साहित भी किया गया।